ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष 3, वर्ष-10, अंक 82 पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज बुधवार 12 जून, 2024

TM

नगर संस्करण

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

Adhunik Samachar

10 वर्ष विश्वास के

आई.टी.आई में सीधे प्रवेश

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन भारत सरकार द्वार मान्यता प्राप्त नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र प्रवेश कार्यालय का सिविल डिफेंस प्रयागराज के मंडल अधिकारी रौनक गुप्ता के द्वार किया गया प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने बताया कि प्रयागराज में न्यूनतम शुल्क मुझे प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यहां इंडस्ट्रियल विजिट सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, आदि कराया जाता है जिसे प्रशिक्षणार्थियों का सर्वांगिन विकास होता है. केंद्र गुणवत्ता परिषद द्वारा स्टार ग्रेडिंग प्राप्त है. केंद्र के कंप्यूटर शिक्षक रोहित शुक्ल ने बताया कि सरकार द्वार छात्रवृति एवं टैबलेट की सुविधा उपलब्ध है प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है. मुख्य अतिथि ने नवीन प्रवेशार्थियों का स्वागत एवं उज्जवल भविष्य की कामना की अंतरराष्ट्रीय स्तर का है प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण के द्र-रौनक गुप्ता.इस अवसर पर निरीक्षक विजय पांडे, रोहित शुक्ला, सचिन श्रीवास्तव, मोहम्मद कौसर, प्रदीप जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहें।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र.के छात्र रेलवे में चयनित

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रों का सिकंदराबाद में रेलवे में चयनित होने पर संस्थान परिवार ने बधाई दी है। प्रयागराज करछना तहसील के नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रों का रेलवे के धारा रेल प्रोजेक्ट सिकंदराबाद में चयन होने से विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा छात्र का सम्मान एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने इन छात्रों का समारोहपूर्वक अभिनंदन एवं सम्मान करते हुये कहा कि यह विद्यालय के लिये गौरव की बात है।संस्थान के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखें और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर केक काटकर केंद्र का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

Admission Open 2024-25

श्री सत्यदेव दुबे (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भदोही

श्री सुजीत श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनी, प्रयागराज

इं. अर्चना सरोज (ट्रेनिंग एवं पलेसमेन्ट, अधिकारी
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खागा, फतेहपुर

- ★ C.O.P.A.
- ★ Fitter
- ★ Computer Teacher Training
- ★ Electrician
- ★ Fire Safety & Industrial Security
- ★ Repair of Refrigerator & A.C.
- ★ Welding Technology
- ★ Certificate in YOGA
- ★ Security Service
- ★ Computer Hardware& Maintenance

Naini ITC Honored by U.P. State Industrial Association

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A seminar was organized by Uttar Pradesh State Industrial Association on Friday. In which Naini Industrial Training Center was honored with a citation by the association's president Arvind Rai for providing high quality skilled workers. Mohammad Kausar received the honor from the Centre. On this occasion, all the entrepreneurs of Prayagraj including Arinnd Rai Sheetal Plastics, Anat Chandra Ventura Private Limited, BLKHN Engineering Works, S Shukla, Overseas Food Agro Private Limited, union officials and all the industrialists were present.

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

वाराणसी में युवक की हत्या कर जंगल में फेंका गया शव, पुलिस को इस बात की आशंका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी जिले में जंगल में एक अज्ञात युवक का शव मिला है। शव की शिनाख्त का प्रयास पुलिस कर रही है। वहीं पुलिस को आशंका है कि युवक की हत्या कहीं और की गई है और शव जंगल में फेंका गया है। वाराणसी जिले के चौबेपुर क्षेत्र के गाजीपुर सीमा के पास हाईवे से 500 मीटर दूर जंगल में एक 35 वर्षीय अज्ञात युवक का शव मंगलवार को मिला। शव के पास शराब की खाली शीशी, गिलास, चिप्स का पैकेट आदि सामान पड़ा मिला। युवक के सिर पर चोट के निशान थे। मौके पर जुटे ग्रामीणों ने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू की। घटना की जानकारी होते ही प्रभारी निरीक्षक विद्या शंकर शुक्ल, एसीपी सारनाथ अतुल अंजान त्रिपाठी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव का जांच कर फिंगर प्रिंट लेने के बाद कब्जे में ले लिया। पुलिस को आशंका है कि कहीं अन्य जगह हत्या कर शव को यहा जंगल मे लाकर फेंक दिया होगा। वहीं जंगल में युवक का शव मिलने की खबर से सनसनी फैल गई। एसीपी अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि कहीं अन्य स्थान पर हत्या कर शव ठिकाने लगाने के लिए यहां जंगल मे फेंक गया है। पुलिस द्वारा शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही घटना का खुलासा होगा।

दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एवं कॉलेज
मेजा, प्रयागराज
शीघ्र आवश्यकता
प्रशिक्षित एवं अनुभवी शिक्षक
स्कूल एवं कोचिंग के लिए
कक्षा 6 से 12
विषय - गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, कम्प्यूटर एवं समाजिक अध्ययन
स्कूल शिक्षकों के लिए आवासीय सुविधा भी उपलब्ध है
उम्मीदवार के पास योग्य डिग्री के साथ-साथ धाराप्रवाह अंग्रेजी संचार कौशल होना चाहिए
अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें -
7505561664, 9415017879
DURGAWATI INTERNATIONAL SCHOOL & COLLEGE
URGENT REQUIREMENT
TRAINED & EXPERIENCED TEACHERS
FOR CLASSES VI to XII
SUBJECTS - ENGLISH, MATHS, S.ST, SCIENCE & COMPUTER
RESIDENCE FACILITY ALSO AVAILABLE FOR TEACHERS
Walk in Interview on 23-06-2024
Interested Candidates can send their Resume on the given contacts
Candidate should hold fluent English Communication Skill along with the qualified degrees
For more details Contact on:
7505561664, 9415017879

चंदौली में मरीजों के स्ट्रेचर पर ढोया जा रहा बालू, वायरल हुआ वीडियो; अस्पताल प्रशासन में मची खलबली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से यहां मरीजों को ढोने के बजाय स्ट्रेचर से बालू ढोया जा रहा है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद महकमे में हड़कंप मचा है। चंदौली जिले के चकिया जिला संयुक्त चिकित्सालय में स्ट्रेचर का इस्तेमाल बालू ढोने के लिए किया जा रहा है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसके बाद से अस्पताल प्रशासन में खलबली मची है। प्रभारी सीएमएस ने प्रकरण की जांच कराकर कार्रवाई की बात कही है। चकिया संयुक्त जिला चिकित्सालय में निर्माण कार्य हो रहा है। निर्माण में लगे मजदूर स्ट्रेचर से बालू समेत अन्य सामग्री ढोने का काम कर रहे हैं। मजदूरों की हरकत के बाद अस्पताल प्रशासन सवालों के घेरे में आ गया है। लोगों का कहना है कि स्ट्रेचर का इस्तेमाल अस्पतालों में मरीजों को सुगमता से इधर-उधर ले जाने के लिए किया जाना चाहिए। यहां इसका दुरुपयोग किया जा रहा है। मजदूर बालू समेत अन्य सामग्री स्ट्रेचर से ढोने का काम कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि इस पर अस्पताल के चिकित्सकों व अधिकारियों की नजर नहीं पड़ रही, बल्कि वे सबकुछ जानकर भी अनजान बने हुए हैं। इस संबंध में प्रभारी सीएमएस डॉ. आरएस आनंद ने बताया कि अस्पताल में हो रहे निर्माण कार्य में लगे मजदूरों के स्ट्रेचर से बालू ढोने का मामला संज्ञान में आया है।

डॉक्टर बोले- मोबाइल की लाइट जलाओ, दवाई लिख देता हूं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। की पड़ताल में वाराणसी के दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल का हाल बेहाल दिखा। यहां इमरजेंसी ओटी, एक्सरे पर ताला लटका रहा तो ओपीडी में मोबाइल की रोशनी में डॉक्टर ने दवाइयां लिखीं। दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल की इमरजेंसी ओटी, डिजिटल एक्सरे पर ताला लगा रहा। तय समय पर ओपीडी तो खुली लेकिन अंधेरा छाया रहा। मोबाइल की रोशनी में डॉक्टरों ने पर्चे पर दवाइयां लिखीं। सुबह नौ बजे तक एआरवी कक्ष नहीं खुला। लिहाजा दूर दराज से आए लोग थक हारकर जमीन पर बैठे रहे। सोमवार को अमर उजाला की पड़ताल में ऐसा ही दृश्य नजर आया। जिला अस्पताल में मरीजों को बेहतर सुविधाएं दिलाने का दावा तो खूब किया जाता है लेकिन हकीकत बिल्कुल इससे अलग है। स्थिति यह है कि यहां दो दिन लगातार शार्ट सर्किट होने के बाद भी प्रशासन ने नहीं चेता। सोमवार को सुबह ओपीडी ब्लॉक-2 की ओपीडी में अंधेरा छाया रहा। सुबह 8 बजे भी बिजली नहीं आई तो मरीजों को डॉक्टरों ने देखना शुरू किया। फिजिशियन, बाल रोग विशेषज्ञ ने अपने कमरे में मरीजों से मोबाइल का टार्च जलाने को कहा और उसी की रोशनी में दवाइयां और जांच लिखी। करीब पौने नौ बजे बिजली आई। उधर अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में चलने वाली इमरजेंसी की व्यवस्था बेपटरी हो गई है। सोमवार की सुबह 8 बजे यहां पंजीकरण काउंटर पर कोई नहीं दिखा। अंदर जाने पर डिजिटल एक्सरे कक्ष पर ताला लगा रहा। ऑपरेशन थिएटर में भी ताला लटकता मिला। इसके गेट पर कूलर रख दिया गया है। कुत्ता काटने के बाद एआरवी भूतल पर औषधि भंडार कक्ष के पास बने कमरे में लगाई जाती है। वह भी सुबह 9 बजे तक नहीं खुली। यहां पर्चा जमा कर लोग ताला खुलने का इंतजार करते रहे। लोगों ने बताया कि हर दिन सुबह 9 बजे से पहले कभी भी नहीं खुलता है। इस वजह से परेशानी का सामना करना पड़ता है।अस्पताल परिसर में ट्रॉमा सेंटर के बाहर ही सीटी स्कैन सेंटर बना है। यहां मरीजों की लंबी लाइन लगी रही। यहां करीब सवा आठ बजे कर्मचारी आए। पर्चा जमा करवाने के बाद सुबह 9.15 बजे के बाद ही सीटी स्कैन शुरू हो सका। तब तक मरीज वहीं जमीन पर बैठे रहे। कुछ लोग ज्यादा थक गए थे तो वहीं पर लेट गए। जिला अस्पताल परिसर में ही गर्भवती महिलाओं के जांच, इलाज के लिए 50 बेड वाला एमसीएच विंग भी चलता है। यहां वैसे तो कागज पर सुबह 8 बजे से दोपहर दो बजे तक ओपीडी का समय है लेकिन सोमवार की सुबह नौ बजे तक यहां कोई डॉक्टर नहीं आया। पहले तल पर स्त्री रोग विशेषज्ञ से लेकर ईएमओ, बाल रोग विशेषज्ञ सहित अन्य डॉक्टरों का कमरा बना है। महिलाएं कमरों के बाहर बैठी रही लेकिन सुबह 9 बजे तक डॉक्टर नहीं आई थीं। नर्सिंग की पढ़ाई करने वाली कुछ छात्राएं चिकित्सकीय कामकाज में सहयोगी की भूमिका निभाती हैं।

पीजी में एडमिशन के लिए सीट आवंटन शेड्यूल जारी, आज निकलेगा कटऑफ; पढ़ें- पूरी जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। बीएचयू और संबंधित कॉलेजों में पीजी में प्रवेश के लिए आज पहला कटऑफ निकाला जाएगा। कैंपस के अलावा अन्य कॉलेजों में पीजी कक्षाओं में प्रवेश के लिए 50 हजार छात्र छात्राओं ने पंजीकरण कराया था। काशी हिंदू विश्वविद्यालय और इससे संबद्ध महाविद्यालयों में सत्र 2024-25 में सनतकोत्तर कक्षाओं में पहले चरण के दाखिले के लिए सीट आवंटन का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। मंगलवार यानी आज पहला कटऑफ निकाला जाएगा।बीएचयू कैंपस के अलावा आर्य महिला पीजी कॉलेज, वसंत कन्या महाविद्यालय कमच्छा, डीएवी पीजी कालेज और वसंत महिला महाविद्यालय राजघाट की पीजी कक्षाओं की लगभग 8500 सीटों पर प्रवेश की प्रक्रिया चल रही है। इनमें से अकेले बीएचयू कैंपस में ही पीजी की लगभग 5000 सीटें हैं। मुख्य परिसर और कॉलेजों में दाखिले के लिए अंतिम तिथि तीन जून तक 50 हजार छात्र छात्राओं ने पंजीकरण कराया था। सोमवार को विश्वविद्यालय की केंद्रीय प्रवेश समिति ने सीट आवंटन का शेड्यूल जारी किया। इसके मुताबिक मंगलवार को दिन में चयनित छात्र-छात्राओं की लिस्ट निकाली जाएगी। साथ ही कट ऑफ भी जारी कर दिया जाएगा। मंगलवार को छात्र-छात्राएं सीधे अपने पोर्टल पर कटऑफ और सीटों की स्थिति देखकर एडमिशन ले सकते हैं।सनतकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए मंगलवार कटऑफ जारी कर दिया जाएगा।

तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद 18 जून को काशी आएंगे पीएम मोदी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। पीएम नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने हैं। पीएम मोदी 18 जून को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी आएंगे। यहां वे किसान सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसके लिए स्थान चयन किया जा रहा है। केंद्र में तीसरी बार मोदी सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काशी आगमन को लेकर सारी अटकलों पर विराम लग गया। नई दिल्ली से सोमवार को आई सूचना के अनुसार पीएम मोदी 18 जून को काशी आ रहे हैं। यह एक दिवसीय प्रवास होगा। इस दौरान वे किसान सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसके लिए स्थान चयन किया जा रहा है। स्थानीय संगठन की ओर से रोहनिया अथवा सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र में किसान सम्मेलन आयोजित करने के लिए स्थल चयन करने का कार्य किया जा रहा है। पीएम मोदी के आगमन को लेकर सिगरा के गुलाबबाग स्थित पार्टी कार्यालय में महानगर व जिला पदाधिकारियों की बैठक हुई। इसमें भाजपा काशी क्षेत्र अध्यक्ष दिलीप पटेल ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को यह जानकारी दी। क्षेत्र अध्यक्ष दिलीप पटेल ने बताया कि पीएम मोदी किसान सम्मेलन को संबोधित करने के बाद बाबा श्री काशी विश्वनाथ का दर्शन पूजन करेंगे। इसके बाद पीएम मोदी स्थानीय दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में भाग लेंगे। पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर बनारस भाजपा ने तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पीएम मोदी के भव्य स्वागत की तैयारी के लिए अलर्ट किया। कहा, कार्यक्रम की तिथि फाइनल हो गई है। किसान सम्मेलन को लेकर सभी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपने का सिलसिला शुरू हो गया है। बैठक का संचालन महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय ने धन्यवाद ज्ञापन जिला अध्यक्ष एवं एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा ने किया। बैठक में क्षेत्र मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, जगदीश त्रिपाठी, प्रवीण सिंह गौतम,अशोक पटेल, संजय सोनकर, राहुल सिंह, जेपी दुबे,शैलेन्द्र मिश्रा,राम बिलास सिंह, गौरव आदि मुख्य रुप से उपस्थित थे।

आधुनिक
गेस्ट हाउस
• वाटर प्रूफ शेड
• पार्किंग की सुविधा
• मन्दिर की सुविधा
• सी.सी.टीवी.
• छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
• 45000 sq. feet. एरिया
• हरे-भरे वातावरण
• AC कमरा (VIP)

CALL: 9519313894,9415608783, 9415608710
आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औधोगिक
थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औधोगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

स्मार्ट सिटी ट्रैफिक सिस्टम से सुधरेगी शहर की यातायात व्यवस्था, भीड़-भाड़ की समस्या से मिलेगी निजात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी में स्मार्ट सिटी ट्रैफिक सिस्टम से शहर की यातायात व्यवस्था ठीक होगी। इसे लेकर आईआईटी बीएचयू के शिक्षक के अध्ययन को पांच साल बाद पेटेंट मिला है। इस सिस्टम से भीड़-भाड़ की समस्या से निजात मिलेगी। आईआईटी बीएचयू के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के परिवहन अभियांत्रिकी अनुभाग में एसोसिएट प्रोफेसर अंकित गुप्ता और सुमित मिश्रा ने स्मार्ट सिटी ट्रैफिक सिस्टम के लिए बेहतर डेटा प्रणाली विकसित की है। इसके प्रयोग से न केवल भीड़-भाड़ की समस्या से निजात मिलेगी, बल्कि बेहतर यातायात प्रबंधन में भी यह मददगार होगा। इस प्रणाली से गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण में भी कमी आएगी। पांच साल बाद इसके पेटेंट को स्वीकृति मिली है। स्मार्ट सिटी ट्रैफिक डेटा प्रबंधन प्रणाली कई स्रोतों से डेटा एकत्र करके काम करती है। इसमें हर दिन यात्रियों से प्राप्त क्राउडसोर्स की गई जानकारी और शहर में विभिनन स्थानों पर स्थापित निजी सेंसर से प्राप्त डेटा शामिल है। रोजमर्रा के यात्रियों से प्राप्त क्राउडसोर्स की जानकारी को उपयोगकर्ताओं के जीपीएस मोबाइल फोन का उपयोग करके एकत्र किया जाता है। ट्रैफिक डायवर्जन में यह अध्ययन सहायक साबित होगा।यातायात प्रबंधन के दृष्टिकोण से कदम आगे बढ़ाते हुए अंकित गुप्ता और सुमित मिश्रा ने सिस्टम फॉर स्पेशिओ-टेम्पोरल ट्रैफिक डाटा रिपोर्टिंग फॉर स्मार्ट सिटी सर्विसेज शीर्षक से पेटेंट को स्वीकृत कराया है। 18 सितंबर 2019 को पेटेंट दाखिल किया गया, जिसको पिछले माह 17 मई को स्वीकृति मिली है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के चेयर प्रोफेसर की जिम्मेदारी निभा रहे अंकित गुप्ता का कहना है कि केवल तकनीक ही ट्रैफिक को समझने और मार्गदर्शित करने में मदद कर सकती है। स्मार्ट सिटी ट्रैफिक सिस्टम आपस में जुड़े मॉड्यूल का एक परिष्कृत नेटवर्क है जिसे वास्तविक समय में ट्रैफिक आंकड़े एकत्र करने, उसका विश्लेषण करने और उसका प्रसार करने के लिए लाया गया है। अंकित गुप्ता का कहना है कि यह प्रणाली सटीक, वास्तविक समय की ट्रैफिक जानकारी प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है। जो भीड़भाड़ को कम करने और शहर में ट्रैफिक के समग्र प्रवाह को बेहतर बनाने में मदद करती है। स्मार्ट सिटी ट्रैफिक डेटा प्रबंधन प्रणाली कई स्रोतों से डेटा एकत्र करके काम करती है। इसमें हर दिन यात्रियों से प्राप्त क्राउडसोर्स की गई जानकारी और शहर में विभिनन स्थानों पर स्थापित निजी सेंसर से प्राप्त डेटा शामिल है। विभिनन मार्गों पर वाहनों की संख्या का अनुमान लगाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तकनीक का उपयोग करके प्राप्त किया जाता है।

देश/विदेश

भारत

संक्षिप्त समाचार

उत्तर-पश्चिम व पूर्वी भारत में अभी और झुलसाएगी गर्मी, 47 डिग्री तक जा सकता है पारा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भारत में अगले पांच दिन लू का एक और दौर चलेगा। इस दौरान तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी। इससे पहले अप्रैल और मई के दौरान भी देश के विभिन्न हिस्से तेज लू के कई दौर का सामना

कर चुके हैं। इनमें उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा जैसे राज्य भी शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार महाराष्ट्र के तट पर अनुकूल परिस्थितियों के कारण मानसून सामान्य समय से दो दिन पहले रविवार को मुंबई पहुंच गया है। अगले 48 घंटों में (12 जून तक) यह गुजरात में प्रवेश कर जाएगा। राज्य में पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी पड़ रही है। सोमवार सुबह तक 24 घंटों के दौरान राज्य के सौराष्ट्र क्षेत्र में कुछ इलाकों में वर्षा हुई। मौसम विभाग ने सोमवार को एक बयान जारी कर बताया कि अगले पांच दिनों तक चलने वाले लू के इस दौर से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, झारखंड, ओडिशा एवं बंगाल के गंगा तटीय इलाके प्रभावित हो सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अत्यधिक गर्मी अल नीनो का प्रभाव है।केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के अनुसार, देश के 150 प्रमुख जलाशयों में जल भंडारण इस सप्ताह उनकी वर्तमान क्षमता का केवल 22 प्रतिशत रह गया है, जिससे कई राज्यों में पानी की कमी हो गई है और जलविद्युत उत्पादन पर भी काफी असर पड़ा है। जबकि भीषण गर्मी ने पहले ही देश में बिजली की मांग को रिकॉर्ड 246 गीगावाट तक पहुंचा दिया है, और घरों व कार्यालयों में एसी व कूलर पूरी क्षमता से चल रहे हैं। मुंबई में मानसून के आगमन के साथ सोमवार सुबह तक 24 घंटों में मौसम में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला।

मोहम्मद मुइज्जू खड़ा करेंगे नया बवाल मालदीव सरकार भारत के साथ हुए इन समझौतों की करेगी समीक्षा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।बीते दिनों (9 जून) मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए

भारत पहुंचे थे। खबरें है कि संसदीय समिति ने भारत के साथ किए गए तीन समझौतों की समीक्षा करने का एलान किया है। खास बात ये है कि ये एलान तब किया गया जब मुइज्जू भारत में थे। संसदीय समिति ने भारत के साथ किए गए तीन समझौतों की समीक्षा करने का एलान किया है। खास बात ये है कि ये एलान तब किया गया जब मोहम्मद मुइज्जू भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए पहुंचे हुए थे। इन तीन समझौतों में हाइड्रोग्राफिक सर्वे भारत की मदद से बनने वाले थिलाफल्हू डॉकयार्ड और डोनियर विमान समझौते शामिल हैं। इन तीन समझौतों में हाइड्रोग्राफिक सर्वे, भारत की अनुदान सहायता से निर्मित होने वाले उथुरु थिलाफल्हू डॉकयार्ड और मानवीय, खोज और बचाव कार्यों के लिए मालदीव के रक्षा बलों को भारत द्वारा गिफ्ट किए गए डोनियर विमान के लिए समझौता शामिल है। मालदीव मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय हिताधू निर्वाचन क्षेत्र के सांसद अहमद अजान ने कहा कि आज संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा सेवा समिति ने राष्ट्रपति सोलिह के प्रशासन द्वारा मालदीव की संप्रभुता और स्वतंत्रता को कमजोर करने वाली कार्रवाइयों की जांच करने के लिए संसदीय जांच करने का फैसला किया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए संसदीय जांच शुरू करने का प्रस्ताव रखा कि पिछली सरकार के कार्यों ने देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता को प्रभावित किया। मुइज्जू की सरकार ने पिछले साल घोषणा की थी कि वह मालदीव के जलक्षेत्र में संयुक्त हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण के लिए भारतीय नौसेना के साथ समझौते को नवीनीकृत नहीं करने जा रही है।उन्होंने रविवार को मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया और सोमवार को राष्ट्रपति मुर्मु से मुलाकात की जिसमें उन्होंने मालदीव को भारत की निरंतर सहायता के लिए आभार व्यक्त किया। उनके कार्यालय ने कहा, उन्होंने बताया कि वह मौजूदा संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए तत्पर हैं। विवाद तब शुरू हुआ जब तीन उप-मंत्रियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रधानमंत्री मोदी की लक्षद्वीप यात्रा के बारे में पोस्ट के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया, जिसमें उन्होंने द्वीपों की प्राकृतिक सुंदरता और भारतीय पर्यटकों के लिए इसके संभावित आकर्षण का जश्न मनाया। दो पूर्व राष्ट्रपतियों - इब्राहिम सोलिह और मोहम्मद नशीद - ने मंत्रियों की टिप्पणियों की कड़ी निंदा की थी।

'रिश्ते सुधारने हैं तो विदेश मंत्री का पदभार संभालते ही जयशंकर ने चीन-पाकिस्तान को दी ये नसीहत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। डॉ. एस. जयशंकर ने विदेश मंत्री का आज (11 जून) कार्यभार संभाल लिया है। इस

दौरान जयशंकर ने कहा,ठहम सभी को पूरा विश्वास है कि यह हमें 'विश्व बंधु' के रूप में स्थापित करेगा, एक ऐसा देश जो बहुत ही अशांत दुनिया में है, एक बहुत ही विभाजित दुनिया में है, संघर्षों और तनावों की दुनिया में है।ठ बता दें कि साल 2019 से ही देश के विदेश मंत्री हैं। एस जयशंकर ने पड़ोसी देश पाकिस्तान और चीन के साथ रिश्तों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जहां तक पाकिस्तान और चीन का सवाल है उन देशों के साथ संबंध अलग-अलग हैं और वहां की समस्याएं भी अलग-अलग हैं। सरकार का जोर चीन के साथ सीमा विवाद का समाधान निकालने पर है। वहीं पाकिस्तान को लेकर भारत की नीति बिल्कुल स्पष्ट है। वहीं, उन्होंने पड़ोसी देश पाकिस्तान और चीन के साथ रिश्तों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जहां तक पाकिस्तान और चीन का सवाल है, उन देशों के साथ संबंध अलग-अलग हैं और वहां की समस्याएं भी अलग-अलग हैं। एस जयशंकर ने आगे कहा,ठपीएम मोदी की लीडरशिप में देश 'इंडिया फर्स्ट' की नीति पर आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में ये मंत्रालय जन-केंद्रित मंत्रालय बन गया है। 2019 में विदेश मंत्री बनने से पहले जयशंकर 2015 से 2018 तक भारत के विदेश सचिव के पद पर भी कार्यरत थे।

सुंदर पिचाई के पिता ने फ्लाइट पर खर्च कर दी थी एक साल की सैलरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई (एर्ल्ट्ट झर्म्फ्) ने 10 जून को अपना

52 वां जन्मदिन मनाया। भारतीय मूल के सुंदर पिचाई तमिलनाडु के मदुरै में 10 जून 1972 को जन्मे थे। वह कठिन रास्ता तय करके आज इस मुकाम पर पहुंचे हैं। दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने 10 जून को अपना 52 वां जन्मदिन मनाया। भारतीय मूल के सुंदर पिचाई तमिलनाडु के मदुरै में 10 जून 1972 को जन्मे थे। उन्होंने एक बार अपनी निजी जिंदगी के बारे में जानकारी देते हुए बताया था कि उनके पिता ने एक फ्लाइट टिकट पर अपनी एक साल की सैलरी के बराबर पैसे खर्च कर दिए थे। गूगल के सीईओ ने एक बार अपनी निजी जिंदगी के बारे में जानकारी देते हुए बताया था कि उनके पिता ने एक फ्लाइट टिकट पर अपनी एक साल की सैलरी के बराबर पैसे खर्च कर दिए थे, ताकि वह अमेरिका में स्टैनफोर्ड में पढ़ाई कर सकें। सुंदर पिचाई ने अपने परिवार और अपने सामने आए संघर्षों के बारे में बताते हुए कहा, ठमेरे पिता ने स्टैनफोर्ड में पढ़ने के लिए अमेरिका जाने के लिए मेरी हवाई जहाज की टिकट पर एक साल की तनख्वाह के बराबर पैसे खर्च किए थे। यह मेरा पहली बार हवाई जहाज में सफर था।ठ हहालांकि, आज सुंदर पिचाई की नेट वर्थ 1 अरब डॉलर (8342 करोड़ रुपये) है। पिचाई टेक सीईओ के उस खास ग्रुप में आते हैं, जो फाउंडर मेंबर नहीं होने के बावजूद भी अरबपति बने।

इंडिगो के शेयर में अचानक आई बिकवाली, जानें क्यों धड़ाधड़ बिक रहे हैं स्टॉक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 11 जून 2024 को इंटरग्लोब एविएशन के शेयर भारी स्टॉक में भारी गिरावट आई। आइए इस रिपोर्ट में विस्तार से जानते है। इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज, जिसकी

गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। दरअसल, एक्सचेंजों पर करीब 2.2 फीसदी की ब्लॉक डील हुई है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार इंडिगो लगभग 3.94 बिलियन रुपये के शेयर बेचेगी। सुबह से इंटरग्लोब एविएशन के शेयर में बिकवाली देखने को मिली है। कंपनी के शेयर में 3 फीसदी से ज्यादा की गिरकर कारोबार कर रहे हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार इंडिगो लगभग 3.94 बिलियन रुपये के शेयर बेचेगी। इंडिगो के इस फैसले के बाद आज इंडिगो के इंडिगो के संचालक इंटरग्लोब एविएशन में 37.75झ् हिस्सेदारी है। अब कंपनी प्रत्येक शेयर को 4,266 रुपये के आधार मूल्य पर बेचेगी, जैसा कि टर्म शीट में दिखाया गया है। 10.30 बजे के करीब इंडिगो के स्टॉक 162.60 अंक या 3.56 फीसदी गिरकर 4,404.00 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा था। अगर इंडिगो शेयर की परफॉर्मेंस की बात करें तो कंपनी ने पिछले 6 महीने में 50.54 फीसदी का रिटर्न दिया है।

मणिपुर में एक साल बाद भी शांति नहींष्ठ', संघ प्रमुख बोले- राज्य की स्थिति पर हो गंभीरता से विचार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नागपुर। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को एक

साल बाद भी मणिपुर में शांति बहाल नहीं होने पर चिंता जताई और कहा कि संघर्ष से जूझ रहे राज्य की स्थिति पर प्राथमिकता से विचार किया जाना चाहिए। डा. हेडगेवार स्मृति भवन परिसर में 'कार्यकर्ता विकास वर्ग-द्वितीय' के समापन कार्यक्रम में आरएसएस प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न स्थानों और समाज में संघर्ष अच्छा नहीं है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को एक साल बाद भी मणिपुर में शांति बहाल नहीं होने पर चिंता जताई और कहा कि संघर्ष से जूझ रहे राज्य की स्थिति पर प्राथमिकता से विचार किया जाना चाहिए। संघ प्रमुख ने चुनावी बयानबाजी से ऊपर उठकर राष्ट्र के सामने आने वाली समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया। संघ प्रमुख ने चुनावी बयानबाजी से ऊपर उठकर राष्ट्र के सामने आने वाली समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कहा कि मणिपुर पिछले एक साल से शांति का इंतजार कर रहा है। राज्य में 10 साल पहले शांति थी। ऐसा मालूम पड़ता था कि वहां बंदूक संस्कृति खत्म हो गई है।

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने 'लोक केरल सभा' के निमंत्रण को किया अस्वीकार सरकार के इस कदम पर उठाया सवाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
तिरुअनंतपुरम। केरल के

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सोमवार को तीन दिवसीय लोक केरल सभा की सार्वजनिक बैठक का उद्घाटन करने के राज्य सरकार के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। यह कार्यक्रम दुनिया भर में केरलवासियों के लिए एक साझा मंच प्रदान करता है। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सोमवार को तीन दिवसीय लोक केरल सभा की सार्वजनिक बैठक का उद्घाटन करने के राज्य सरकार के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। सूत्रों ने कहा कि राज्यपाल उन मंत्रियों से नाराज थे जिन्होंने सार्वजनिक रूप से उनके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को अपना समर्थन देने की घोषणा की और उन्हें लोकतांत्रिक कार्यों के रूप में प्रोत्साहित किया। मुख्य सचिव वी वेणु ने राजभवन में मुख्यमंत्री पिनराई विजयन का पत्र सौंपा तो राज्यपाल ने अपनी स्थिति से अवगत कराया। राज्यपाल ने मुख्य सचिव से सीपीआई (एम) के नेताओं द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों और राज्य में उनके वाहन को रोककर सार्वजनिक स्थानों पर पार्टी छात्र संगठन और युवा कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन के बारे में चिंता जताई। सूत्रों ने कहा कि राज्यपाल उन मंत्रियों से नाराज थे, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से उनके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को अपना समर्थन देने की घोषणा की और उन्हें लोकतांत्रिक कार्यों के रूप में प्रोत्साहित किया। बैठक के दौरान राज्यपाल ने सरकार के दृष्टिकोण पर सवाल उठाया और निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया। राज्य के बाहर रहने वाले मलयाली लोगों के सांस्कृतिक, सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक एकीकरण के उद्देश्य से चौथी लोक केरल सभा 13 से 15 जून तक केरल विधानसभा परिसर में होने वाली है।

अल्पकालीन निविदा/कोटेशनसूचना 2024/5

कार्यालय ग्राम पंचायत- करकोली **वि0 खं0-राबर्ट्सगंज जिला सोनभद्र**
पत्रांक- **दिनांक- 11/06/2024**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत करकोली मे वित्तीय वर्ष 2024-25 में मनरेगा/राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त/SLWM/SBM/अन्य निधियो से प्राप्त धनराशि से निर्माण कराये जाने हेतु व्यापार कर विभाग आयकर में पंजीकृत फार्मो के द्वारा ग्राम पंचायत परिधि के अन्दर निम्न विवरणनुसार कार्यस्थल पर सामग्री आपूर्ति कराने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। ईट प्रथम श्रेणी,सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट, टैंकर क्रय, टैंकर मरम्मत बालू, डाला गिट्टी, सोलिंग गिट्टी, इंटरलॉकिग ईट, सीमेंट, पटिया, टीन शेड, ऐजबेस्टेस सीट, शोचालय निर्माण सामग्री,PVC पाईप, बोल्डर, सरिया, स्टोन डस्ट, GSB हैडपंप सामग्री, हैडपंप रिबोर/ बोर, पेन्टिग सामग्री, ईरिक्शा, ढैला गाडी, सफाईकमी किट, हयूम पाईप, सीमेन्ट बेंच, लोहे का (दरवाजा, खिडकी, एंगल, पाईप), बिजली वायरिंग सामग्री, समरसिवल पंप, सोलर पंप , अन्य समाग्री। इच्छुक आपूर्तिकर्ता निविदा दिनांक-13-06-2024 से 24-06-2024 तक ग्राम पंचायत कार्यालय पर 10:00 से 02:00 बजे तक जमा कर सकते है। जिसे दिनांक 26-06-2024 को 03:00 बजे निविदा दाताओ जो उपस्थित रहना चसहते है के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोला जायेगा।

प्रतिबध और शर्ते- 1- निविदा की सभी दरें कर सहित लोक निर्माण विभाग की स्वीकृत दर से अधिक नही होनी चाहिए। 2- जमानत धनराशी और अन्य जानकारी हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है। 3-खराब आपूर्ति की दशा मे जमानत की राशि जब्त कर ली जायेगी। 4- सशर्त निविदा स्वीकार्य नही की जायेगी। 5- बिना कारण बताये किसी भी समय निविदा निरस्त करने का अधिकरी आधोहस्ताबरी को होगा।

ग्राम प्रधान-
विकास खंड- राबर्ट्सगंज
सोनभद्र

ग्राम प0 सचिव
विकास खंड- राबर्ट्सगंज,
सोनभद्र

आगामी बजट में कौन-से सेक्टर्स पर रहेगी नई सरकार की नजर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हर साल 1 मार्च को यूनियन बजट पेश होता है। लेकिन, जिस साल लोकसभा चुनाव होते हैं उस साल मार्च में अंतरिम बजट और नई सरकार के गठन के बाद यूनियन बजट पेश होता है। हर एनडीए की सरकार बनी है। रविवार को लगातार तीसरी बार नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद के लिए शपथ ली थी और सोमवार को उन्होंने फिर से प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभाला। नई सरकार के गठन के बाद आम जनता से लेकर

साल 1 मार्च को यूनियन बजट पेश होता है। लेकिन जिस साल लोकसभा चुनाव होते हैं उस साल मार्च में अंतरिम बजट और नई सरकार के गठन के बाद यूनियन बजट पेश होता है। इस साल भी लोकसभा चुनाव थे। उम्मीद है कि जुलाई के पहले हफ्ते में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण यूनियन बजट पेश करेगी। इस साल भी लोकसभा चुनाव थे। चुनावी नतीजों में एनडीए को बहुमत मिली है और देश में बिजनेसमैन तक का ध्यान यूनियन बजट पर है। उम्मीद है कि जुलाई के पहले हफ्ते में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण यूनियन बजट पेश करेगी। यूनियन बजट में सरकार कई सेक्टर के विकास पर ध्यान रखेगी। इस साल मार्च में पेश हुए अंतरिम बजट में भी निर्मला सीतारमण ने कहा था कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए अभी बहुत काम करना बाकी है।

निर्मला सीतारमण को फिर मिला वित्त मंत्रालय, इस बार पहले से ज्यादा रहेंगी चुनौतियां

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिए मंत्री पद का बंटवारा हो गया। वित्त मंत्री की जिम्मेदारी एक बार निर्मला सीतारमण ही संभालेंगी। जीएसटी लागू से झटका लगा था। कॉर्पोरेट टैक्स घटाने से उद्योग जगत को उबरने में काफी मदद मिली। सीतारमण ने बतौर वित्त मंत्री पहला बजट 5 जुलाई 2019 को पेश किया। उन्हें कोरोना

यह दूसरा मौका होगा, जब मोदी सरकार में वह वित्त मंत्री बनेंगी। सीतारमण ने पहली बार 31 मई 2019 को वित्त और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री के तौर पर शपथ ली थी। उनके नाम देश की पहली पूर्णकालिक वित्त मंत्री होने का रिकॉर्ड है। सीतारमण ने बतौर वित्त मंत्री पहला बजट 5 जुलाई 2019 को पेश किया। उन्हें कोरोना महामारी के दौरान ण्ध्न्छ-19 इकोनॉमिक रिस्पॉन्स टास्क फोर्स का प्रभारी बनाया। सीतारमण का पहला बड़ा आर्थिक सुधार कॉर्पोरेट टैक्स को 30 फीसदी से घटाकर 22 फीसदी करना था। दरअसल अर्थव्यवस्था को नोटबंद और महामारी के दौरान ण्ध्न्छ-19 इकोनॉमिक रिस्पॉन्स टास्क फोर्स का प्रभारी बनाया। सीतारमण का पहला बड़ा आर्थिक सुधार कॉर्पोरेट टैक्स को 30 फीसदी से घटाकर 22 फीसदी करना था। दरअसल, अर्थव्यवस्था को नोटबंद और जीएसटी लागू से झटका लगा था। कॉर्पोरेट टैक्स घटाने से उद्योग जगत को उबरने में काफी मदद मिली। कॉर्पोरेट टैक्स घटाने के बाद कोरोना महामारी की चुनौती आ गई। सीतारमण ने नीतिगत उपायों की एक सीरीज के महामारी का सामना करने की योजना बनाई, ताकि गरीबों पर कोविड के आर्थिक प्रभाव को कम किया जा सके। कोरोना काल में आर्थिक मुश्किलों को दूर करने के लिए सरकार ने देश के जीडीपी के करीब 10 फीसदी के बराबर 20 लाख करोड़ रुपये के विशेष आर्थिक पैकेज का भी एलान किया। भारत की जीडीपी पिछली कई तिमाहियों से शानदार से ग्रोथ कर रही है। अर्थव्यवस्था से जुड़े ज्यादातर इंडिकेटर सकारात्मक संकेत दे रहे हैं। इसे बतौर वित्त मंत्री निर्मला की कामयाबी में गिना जा सकता है।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अब जुलाई में अपने दूसरे कार्यकाल का पहला पूर्णकालिक बजट पेश करेंगी। इस दौरान उनसे सभी को काफी उम्मीदें रहेंगी। खासकर, गरीब, मिडल क्लास और उद्योग जगत को। रियल एस्टेट सेक्टर पहले ही जीएसटी में सुधार की गुजारिश कर चुका है। टैक्स के मोर्चे पर भी कई चुनौतियां हैं, जिन्हें सुलझाने की जरूरत होगी। खासकर, नए और पुराने टैक्स रिजीम को लेकर सरकार का क्या रुख रहता है, यह भी देखने वाली बात होगी। केंद्र सरकार भारत की दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। साथ ही, उसने देश को 2047 तक विकसित बनाने का भी लक्ष्य रखा है। इन दीर्घकालिक लक्ष्यों को लेकर सीतारमण की नीतियों पर भी सबकी नजर रहेगी।

अर्जुन देव के शहीदी गुरु पर्व धूमधाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र ।रावटसगंज स्थित गुरु सिंह सभा में सिखों के पांचवे गुरु अर्जुन देव के शहीदी गुरु पर्व धूमधाम

के साथ मनाया गया गुरु सिंह सिंह सभा में स्त्री सत्संग ने शबद कीर्तन किया गया गुरुद्वारा साहिब के अखंड पाठ की समाप्ति के उपरांत कीर्तन दरबार लगाया गया जिसमें विष्णु सिंह पृथ्वी पाल सिंह गुरु अर्जुन सिंह के शहीदी के बारे में इतिहास बताया मुगलों में गुरु अजून देव सिंह गरम तवे बैठक उसके ऊपर गरम रेत डालकर कष्ट दिए गए थे अंत में शहीद कर दिया गया कार्यक्रम के समाप्ति पर अटूट लंगर का वितरण किया गया। गुरुद्वारे के गेट पर एवं धर्मशाला चौराहा पर मीठे जल शर्बत का स्टाल लगाकर राहगीरों को वितरण किया गया ।इस मौके पर अजय सिंह भंडारी, रणजीत सिंह, छवि सिंह ,बलकार सिंह ,दिल करण सिंह ,मनजीत सिंह ,दया सिंह,त्रिलोक सिंह, तेजिंदर पाल सिंह ,संतोष सिंह ,पारब्रह्म सिंह, प्रभजीत सिंह शामिल रहे।

हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर । विंध्य प्रेस क्लब के तत्वाधान में हिंदी पत्रकारिता दिवस का सिटी क्लब के प्रांगण में आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ आदि शक्ति जगत जननी मां विंध्यवासिनी के चित्र पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष राजू कनौजिया के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया हिंदी पत्रकारिता दिवस के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिलापंचायत अध्यक्ष राजू कननैजिया व विशिष्ठ अतिथि जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार रहे। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि,ठ पत्रकार समाज का आइना होता है, हिंदी पत्रकारिता के दौर में पत्रकारों के सामने बहुत चुनौती है। ग्रामीण पत्रकारों को सही परिश्रमिक नही मिलने से उनके सामने कठिनाई की स्थिति उपनन होती है। आज के युग में पत्रकारिता के भी अनेक माध्यम हो गये है; जैसे - अखबार, पत्रिकायें, रेडियो, दूरदर्शन, वेब-पत्रकारिता, यूट्यूब आदि। इस कार्यक्रम में विंध्य प्रेस क्लब के संयोजक अशोक सिंह मुनन, वरिष्ठ पत्रकार मनोज शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार अमरेश मिश्रा, अनुपम के संपादक विष्णु कांत पांडेय, भारतीय सहारा से योगेश

देव पांडेय, स्वतंत्र पत्रकार बृजेंद्र दुबे, कमलेश, मनीष रावत, इंदर प्रीत सिंह, वरिष्ठ पत्रकार जेपी पटेल, प्रशांत यादव, डॉ सुनील सिंह, डॉ तरुण सिंह, जय प्रकाश दुबे, आदि लोग उपस्थित रहे।

जंगल में लकड़ी लेने गई दो किशोरियों से दुष्कर्म, दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र ।सोनभद्र जिले के बभनी थाना क्षेत्र के एक गांव में दो किशोरियों से दुष्कर्म का मामला सामने आया। घटना की जानकारी होते ही सक्रिय हुई पुलिस ने केस दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। सोनभद्र जिले के बभनी थाना क्षेत्र के एक गांव की दो किशोरियों के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना चार दिन पहले की है। दोनों जंगल में लकड़ी बीनने गई थीं। रविवार को तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। एक गांव की दो किशोरियां गुरुवार को जलावनी लकड़ी लेने शीशटोला के जंगल में गई थीं। उसी समय दो युवक वहां पहुंच गए। दोनों ने किशोरियों से दुष्कर्म किया। पीडित किशोरियों ने घर आकर परिजनों को आपबीती बताई। घरवालों ने युवकों के परिजनों से शिकायत की तो वे मामला सुलझाने में लग गए, मगर सफल नहीं हुए। रविवार को एक किशोरी के भाई ने बभनी थाने में दोनों युवकों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने दोनों युवकों पर पॉक्सो, दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। प्रभारी निरीक्षक सदानंद राय ने बताया कि दोनों आरोपी हरिचरण और अमीर सिंह को रंपाकुरर तिराहे से सोमवार की सुबह गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ के बाद चालान कर दिया गया।

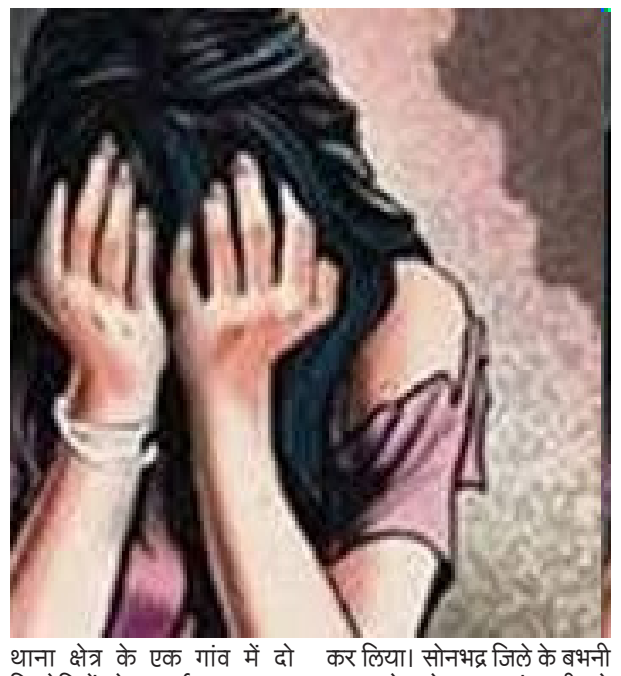

दो कुंटल गाजा के साथ तीन गिरफ्तार, दो वाहन सीज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । सदर कोतवाली परिसर में मंगलवार को एडिशनल एसपी मुख्यालय कालू सिंह द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गांजा तस्करों का खुलासा करते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक , डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा जनपद में अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चलाए गए अभियान में अनवरत ताबड़तोड़ कार्यवाही की कड़ी में मारक आसूचना संजाल से, दिनांक 10.06.2024 को प्राप्त मुखबिरी सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए ऊझ एऊइ व थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा हिन्दुआरी तिराहे से करमा को जाने वाली सड़क पर शिवशक्ति ढाबा के पास से समय 11.45 बजे के डिग्गी में प्लास्टिक की बोरियों में कुल 95.210 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा (कार व गांजा का कुल अनुमानित कीमत 22 लाख रुपये) के साथ 03 अन्तर्जनपदीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया गया । इस गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना रॉबर्ट्सगंज पर विभिनन धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है । पुलिस के पूछताछ में बताया गया विवरण -ङ पूछताछ करने पर विपिन व अमित ने बताया कि हम लोग अपनी-अपनी गाड़ी के चालक है हम दोनों लोगों को दौलत राज नोएडा से लेकर आये हैं और रामगढ़ सोनभद्र में किसी के यहां से दोनों गाडि़यों में गांजा भरवाया था, जिसे लेकर हम लोग नोएडा जा रहे थे तथा दौलत राज से पूछताछ करने पर बताया कि मैं कुछ माह से बिजेन्द्र नामक व्यक्ति के सम्पर्क में था, उसे ऑनलाइन रुपया ट्रांसफर करके नोएडा से 02-02 करके लड़कों को बस से रामगढ़ सोनभद्र भेजता था। जनपद मीरजापुर पुलिस द्वारा दिनांक 06.06.2024 को मेरे इस कारोबार के 02 लड़कों को गांजा के साथ पकड़ लिया गया था। उसके बाद मै इन दोनों लड़कों विपिन व अमित के इन वैगनार गाड़ी के माध्यम से अधिक मुनाफा कमाने के लालच में रामगढ़, सोनभद्र से विजेन्द्र नाम के व्यक्ति से गांजा लेकर नोएडा जा रहा था आप लोगों द्वारा पकड़ लिया गया। **गांजा के साथ गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण का विवरण** 1. दौलत राज पुत्र रामबिलास चौधरी निवासी गली नं0- 04 ममूरा सेक्टर 66 थाना फेज-3 गौतमबुद्ध नगर जनपद गौतम बुद्ध नगर उम्र लगभग 29 वर्ष । 2. विपिन चौधरी पुत्र रामदेव चौधरी निवासी मिलकलच्छी ग्रेटर नोएडा बिसरख, जनपद गौतमबुद्ध नगर उम्र लगभग 26 वर्ष । 3. अमित कुमार पुत्र मूलचन्द निवासी पतवाड़ी थाना बिसरख जनपद गौतमबुद्ध नगर उम्र लगभग 28 वर्ष वांछित अभियुक्त-अभी चल रहा है फरार बिजेन्द्र पुत्र अज्ञात निवासी अज्ञात । यह पुलिस ने किया बरामद जिसमे- 1. 95.210 किलोग्राम अवैध गांजा (अनुमानित कीमत 10 लाख रुपये (कीमत लगभग 12 लाख रुपये)। 3. 04 अदद मोबाइल फोन। 4. ड्राइविंग लाइसेंस, वीजा, ए0टी0एम0 । 7. 1600 रुपये नगद । **गिरफ्तारी /बरामदगी में सम्मिलित पुलिस टीम में** - 01. प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र राय थाना रॉबर्ट्सगंज, । 02. उ0नि0 वीरेन्द्र सिंह यादव, एऊइ टीम लखनऊ । 03. मु0आ0 प्रभात कुमार, मु0आ0 नीरज कुमार, आरक्षी अंकुर मिश्रा, एऊइ टीम लखनऊ । 03. हे0का0 रविकान्त गौतम, आरक्षी विनय कुमार, आरक्षी रमेश गौड़ ।

6 घंटे में 7 डिग्री से ज्यादा चढ़ा पारा, गर्मी से बेहाल रहे लोग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र ।धूप की तपिश और गर्मी से सोमवार को भी राहत नहीं मिल पाई। तापमान लगातार 43 डिग्री के पार बना रहा। न्यूनतम तापमान में भी वृद्धि दर्ज की गई। धूप ने लोगों को परेशान किया तो उमस ने चैन-सुकून भी छिन लिया। भीषण गर्मी में पंखा-कूलर भी काम नहीं कर रहे। बिजली की कटौती कोढ़ में खाज बन रही है। ऐसे में लोग शीघ्र मानसून के आने की प्रतीक्षा कर रहे है।दिन में तेज धूप के कारण पहाड़ तप रहे है। हाल यह है कि सुबह नौ बजे की धूप ही असहनीय हो जा रही है। सोमवार को नौ बजे ही तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद अपराह्न तीन बजे तक यह बढ़कर 43.5 डिग्री पहुंच गया। चिलचिलाती धूप से लोग बेहाल नजर आए। दोपहर में नगर की भीड़भाड़ वाली सड़कों पर भी सननटा था। बहुत जरूरी काम से ही लोग बाहर निकले। बाजार में ग्राहक भी नदारद रहे। मौसम विज्ञान केंद्र चुर्क के प्रेक्षक राजन सिंह ने बताया कि रविवार को न्यूनतम तापमान 28.4 डिग्री था, जो सोमवार को बढ़कर 29.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। अधिकतम तापमान में कोई खास अंतर नहीं था, लेकिन धूप की तपिश दोपहर बाद करीब तीन बजे के आसपास ज्यादा महसूस की गई। बताया कि अगले कुछ दिनों तक तापमान ऐसे ही बरकरार रहने की उम्मीद है। गर्म हवा का असर भी रहेगा। तीन मतदान कार्मिकों के खाते में आज पहुंचेगा चार-चार लाख : पिछले दिनों मतदान कराने जा रहे चार मतदान कार्मिकों की हीट स्ट्रोक से मौत हो गई थी।

दोनों पक्ष की जांच के बाद होगी उचित कार्रवाई थाना प्रभारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । प्रतिनिधि को नहीं मिला न्याय तो थाने पहुंचे सदर ब्लाक प्रमुख मामले में दोनों पक्ष की जांच कर कार्रवाई करने का थाना प्रभारी ने दिलाया भरोसा। सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने बताया कि क्षेत्र पंचायत सदस्य के साथ जिला अस्पताल में पूर्व में हुए चिकित्सक व कर्मचारियों द्वारा दुर्व्यवहार के बाद पीडित क्षेत्र पंचायत सदस्य को न्याय न मिलने को लेकर थाने पहुंचकर मामले में मामला दर्ज कर उचित कार्रवाई करने को थाना प्रभारी से वार्ता की गई। वही पीड़ित राममरोस मुसहर पुत्र बूद्धिराम निवासी ग्राम मुसहीं, पूर्वक अवगत कराना है कि प्रार्थी पता उपरोक्त का निवासी है तथा अनुसूचित जाति का मुसहर व्यक्ति है। बीते 06.06.2024 को मेरी पतने की अचानक तबियत खराब हो गयी श्री. जिसके दवा ईलाज हेतु प्रार्थी ने उसे जिला चिकित्सालय लोढ़ी जनपद सोनभद्र में भर्ती कराया। घटना दिनांक 07.06.2024 को दिन में 11:00 बजे की है कि प्राथी की पतने का चिकित्सालय प्रपत्र (बी0एस0टी0) नहीं मिल पा रहा था जिसके कारण मेरी पतने को दवा ईलाज आदि में काफी बिलम्ब हो रहा था। इस दरम्यान प्राथी ने अपनी पतने के दवा-ईलाज हेतु डयूटी पर तैनात चिकित्सक नाम व पता अज्ञात से काफी अनुनय-विनय किया बावजूद इसके सम्बन्धित चिकित्सक महोदय प्रार्थी की विनती पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। इस दरम्यान अन्य मरीजों को दवा-ईलाज उनके द्वारा किया जा रहा था। चिकित्सक महोदय की इस उपेक्षात्मक रवैये से मैं काफी क्षुब्ध हो गया और उक्त चिकित्सक को दबाव देकर अपनी पतने का दवा ईलाज करने को कहा इस पर चिकित्सक आग-बबूला हो गये और प्रार्थी को जाति सूचक शब्दो के साथ मों-बहन की भद्दी-भद्दी गालियां देते हुए कहें कि भोसड़ी वाले, माधरचोद, मुसहर जाति के नीच आदमी तुमको अच्छा ईलाज चाहिए था तो प्राइवेट अस्पताल में जाते यहां ऐसा ही होता है। अस्पताल में मौजुद मरीजों के परिजनों ने बीच-बचाव कीया तब प्रार्थी की जान बच पायी। इसके बाद उक्त चिकित्सक प्रार्थी को धमकी दिये कि दोबारा यहां दिखे तो जान से मार दिये जाओगे। ऐसी दशा में प्रार्थी का मेडिकल मुआयना कराते हुए प्रकरण में आवश्यक कानूनी कार्यवाही किया जाना आवश्यक एवं न्यायसंगत है।वही इस संदर्भ में थाना प्रभारी सत्येंद्र राय ने बताया कि दोनों पक्ष को बुलाया गया था जिसमें एक पक्ष की उपस्थिति नहीं हो पाई हालांकि दोनों पक्ष के जांच पड़ताल के बाद संबंधित कार्रवाई की जाएगी।

नाली नाले का साफ सफाई जल्द कराए सफाई नायक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । रावटसगंज नगर पालिका क्षेत्र के 25 वार्ड में स्थित नाली व नाले के साफ सफाई को लेकर मंगलवार को नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद द्वारा निरीक्षण कर संबंधित कर्मचारी व सफाई नायक को दिए खड़े दिशा निर्देश। वही रूबी प्रसाद ने बताया कि बरसात से पूर्व ही नगर पालिका क्षेत्र के सभी बड़े नाले व नालियों की साफ सफाई बेहतर तरीके से कराकर अवगत कारए सफाई नायक किसी भी प्रकार से किसी वार्ड में कोई भी नाली या नाला साफ सफाई से वंचित न रहे जिसको लेकर सभी सभासदों को बतलाया गया कि अपने-अपने क्षेत्र के नाली नाला को चेक कर संबंधित जानकारी हमको अवगत कारए जिससे की बरसात से पूर्व सभी की साफ सफाई हो सके आने वाली बरसात में किसी भी प्रकार से पानी का जमावड़ा ना हो जिसको लेकर युद्ध स्तर पर साफ सफाई कर किया जा रहा है । इस प्रकार सभासद मनोज चौबे, सुनील सिंह राजन गुप्ता संजय जायसवाल अमित दुबे अजय गुप्ता सफाई नायक आकाश रावत अनिल आदि मौजूद थे।

नीट पेपर धांधली को लेकर आप का विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट लोढ़ी में आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष रमेश गौतम के नेतृत्व में ऊँ परीक्षा धांधली के विरोध में महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी महोदय को सौपा। आम आदमी पार्टी इस ज्ञापन के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति महोदया से ऊँ परीक्षा के परिणाम की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों को जेल भेजने की मांग करती हैं, जिससे कि ऊँ अभ्यथिर्यों के भविष्य के साथ न्याय हो सकें ।परीक्षा जो कि देश की सबसे प्रतिष्ठित और बड़ी परीक्षाओं में एक हैं, उसका पेपर भी लीक हो गया। बेरोजगारी और पेपर लीक समस्या से जूझ रहें नौजवानों को भ्रष्टाचारी सरकार ने एक और झटका दे दिया। एक ओर जहाँ संवेदनहीन मोदी सरकार में भतिर्यों का टोटा हैं तो वहीं दूसरी ओर भ्रष्टाचार में डूबी सरकार सभी प्रकार के परीक्षाओं का पेपर लीक करवाने की जिम्मेदार हैं। जिसके वजह से नौजवानों को अपने उज्ज्वल भविष्य का कोई मार्ग नहीं दिख रहा हैं। के परीक्षा का परिणाम 14 जून को आना था, परंतु आनन-फानन में 04 जून को ही लोकसभा चुनाव के परिणाम के दिन ही, ऊँ के परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया। इससे सवाल उठता है कि किस गुनाह को छिपाने के लिये इसका परिणाम उस दिन घोषित किया गया और जिस प्रकार 67 बच्चों को पूरे 720 अंक दिये गये, एक ही कोचिंग के कई बच्चों को 720 अंक दिये गये और कुछ बच्चों को 718, 719 नंबर दिये गये जो कि असम्भव हैं क्योंकि एक प्रश्न छोड़ देने या गलत करने पर 04 या 05 नंबर कम होने चाहिए, तो 718 और 719 नंबर कैसे दिये जा सकतें हैं। इससे प्रतीत होता हैं कि ऊँ के परीक्षा में गंभीर त्रुटि और भ्रष्टाचार किया गया हैं। आज के कार्यक्रम में शामिल रहे विमलेश पटेल जिला महासचिव,अंजनी कुशवाहा महिला विंग जिलाध्यक्ष, दुर्गा देवी पूर्व जिलाध्यक्ष व जिला सहप्रभारी,राकेश कुमार यूथ प्रदेश सचिव,गोविंद चौबे जिला उपाध्यक्ष,राजेंद्र मौर्या,केवल कुशवाहा,समीर खान, दिनेश पटेल, प्रेम नाथ, सुभाष,रमाकांत पनिका, अनवर अली, नागेंद्र मौर्या आदि।

नवनिर्वाचित सांसद का स्वागत एवं बैठक 13 जून को

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । मंगलवार को जन अधिकार पार्टी जिलाध्यक्ष आदित्य मौर्य ने प्रेस को जारी बयान में बताया की 13 जून 2024 दिन बृहस्पतिवारङ को, इंडिया गठबंधन से लोकसभा सभा क्षेत्र रॉबर्ट्सगंज वेञ नवनिर्वाचित सांसद छोटेलाल सिंह खरवार का जन अधिकार पार्टी जनपद- सोनभद्र द्वारा स्वागत कार्यक्रम रॉबर्ट्सगंज वेञ सिंचाई डाक बंगला में समय प्रातः 09.30 बजे से किया जाना सुनिश्चित है साथ मे जन अधिकार पार्टी की बैठक भी होगी जिसमें संगठनात्मक विस्तार पर चर्चा किया जाएगा । बैठक में जन अधिकार पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ0 भागीरथी सिंह मौर्य,एवं वाराणसी मंडल प्रभारी मा0 सुमंत सिंह मौर्य भी उपस्थित रहेंगे । अतः निवेदन है कि जिला इकाई सोनभद्र एवं विधानसभा इकाई घोरावल, रॉबर्ट्सगंज, ओबरा तथा दुद्धी के समस्त पदाधिकारी, अनुशांगिक संगठनों वेञ पदाधिकारी व सक्रिय कार्यकर्ताओ से अनुरोध है कि उक्त कार्यक्रम में पहुँच कर अपने नवनिर्वाचित सांसद का स्वागत करते हुए बैठक को सफल बनाए । निवेदन है कि निर्धारित समय पर अवस्य पहुँचे क्योकि सांसद को अन्य कार्यक्रमो में जाना है ।

अल्पकालीन निविदा/कोटेशनसूचना 2024/5

कार्यालय ग्राम पंचायत- जुडवरिया **वि0ख0 राबर्ट्सगंज जिला सोनभद्र**
पत्रांक- **दिनांक- 11/06/2024**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत जुडवरिया मे वित्तीय वर्ष 2024-25 में मनरेगा/राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त/SLWM/SBM/अन्य निधियो से प्राप्त धनराशि से निर्माण कराये जाने हेतु व्यापार कर विभाग आयकर में पंजीकृत फामो के द्वारा ग्राम पंचायत परिधि के अन्दर निम्न विवरणनुसार कार्यस्थल पर सामग्री आपूर्ति कराने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। ईट प्रथम श्रेणी,सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट, टैकर क्रय, टैकर मरम्मत बालू, डाला गिट्टी, सोलिंग गिट्टी, इंटरलॉकिग ईट, सीमेंट, पटिया, टीन शेड, ऐजबेस्टेस सीट, शोचालय निर्माण सामग्री,PVC पाईप, बोल्डर, सरिया, स्टोन डस्ट, GSB हैडपंप सामग्री, हैडपंप रिबोर/ बोर, पेन्टिग सामग्री, ईरिक्शा, ढैला गाडी, सफाईकमी किट, हयूम पाईप, सीमेन्ट बेंच, लोहे का (दरवाजा, खिडकी, एंगल, पाईप), बिजली वायरिंग सामग्री, समरसिवल पंप, सोलर पंप , अन्य समाग्री। इच्छुक आपूर्तिकर्ता निविदा दिनांक- 13-06-2024 से 24-06-2024 तक ग्राम पंचायत कार्यालय पर 10:00 से 02:00 बजे तक जमा कर सकते है। जिसे दिनांक 26-06-2024 को 03:00 बजे निविदा दाताओ जो उपस्थित रहना चसहते है के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोला जायेगा।

प्रतिबध और शर्ते- 1- निविदा की सभी दरें कर सहित लोक निर्माण विभाग की स्वीकृत दर से अधिक नही होनी चाहिए। 2- जमानत धनराशी और अन्य जानकारी हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है। 3-खराब आपूर्ति की दशा मे जमानत की राशि जब्त कर ली जायेगी। 4- सशर्त निविदा स्वीकार्य नही की जायेगी। 5- बिना कारण बताये किसी भी समय निविदा निरस्त करने का अधिकरी आधोहस्ताबरी को होगा।

ग्राम प्रधान-
विकास खंड- राबर्ट्सगंज
सोनभद्र

ग्राम प0 सचिव
विकास खंड- राबर्ट्सगंज,
सोनभद्र

स्पोर्ट्स

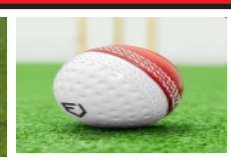

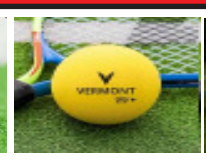

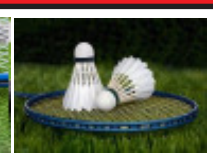

इंडिया का तोड़ डाला बड़ा रिकॉर्ड

न्यूयॉर्क में हुई चहल टीवी की वापसी, भारतीय प्लेयर्स ने खोले कई चौंकाने वाले राज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। न्यूयॉर्क में आखिरकार चहल टीवी की वापसी हो चुकी है। पाकिस्तान को 6 रन से मात दी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम 119 रन पर ढेर हो की ओर हवा चल रही है तो उस तरफ छक्का नहीं खाना है। रोहित भाई से मेरी बात हुई कि मैं कट

पाकिस्तान के खिलाफ मैच जीतने के बाद युजवेंद्र चहल ने तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, ऑलराउंडर अक्षर पटेल और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत से बातचीत की। अक्षर पटेल 4 नंबर पर ब्लेबाजी करने आए इस पर उन्होंने अपनी प्लानिंग को लेकर कहा योजना बनाने का मौका ही नहीं था। जब मैं बल्लेबाजी करने गया था तो हमारे कप्तान साहब बल्लेबाजी कर रहे थे। वह मुझसे क्रिकेट के बारे में बात ही नहीं कर रहे थे बस मस्ती मजाक कर रहे थे। उन्हें पता था कि इससे मुझे बैटिंग करने में आसानी होगी। इस बातचीत को चहल टीवी पर शेयर किया गया है। मुकाबले की बात करें तो भारतीय टीम ने गई थी। जवाब में पाकिस्तान टीम 7 विकेट के नुकसान पर 113 रन ही बना पाई थी। अक्षर पटेल 4 नंबर पर बल्लेबाजी करने आए, इस पर उन्होंने अपनी प्लानिंग को लेकर कहा, योजना बनाने का मौका ही नहीं था। जब मैं बल्लेबाजी करने गया था तो हमारे कप्तान साहब बल्लेबाजी कर रहे थे। वह मुझसे क्रिकेट के बारे में बात ही नहीं कर रहे थे, बस मस्ती मजाक कर रहे थे। उन्हें पता था कि इससे मुझे बैटिंग करने में आसानी होगी। वह हर गेंद के बाद मुझे कुछ ना कुछ बता रहे थे। इमाद वसीम के 16वें ओवर को लेकर अक्षर ने कहा कि मेरा प्लान बस यही था कि गेंद उनकी रेंज में नहीं देनी है। मिडविकेट पर बॉल करता हूं। पंत ने अपनी बल्लेबाजी को लेकर कहा, मेरे दिमाग में ज्यादा कुछ चल नहीं रहा था। मेरी कोशिश थी कि चीजों को जितना सिंपल हो सके रखा जाए। भारत पाकिस्तान का मैच था तो दबाव था ही। अक्षर पटेल जब मैदान पर आए तो मेरे लिए बल्लेबाजी आसान होगी। मेरे लिए सारे कैच ही फेवरेट हैं। आज सिराज ने भी काफी अच्छी फील्डिंग की। वहीं सिराज ने अपनी बल्लेबाजी को लेकर कहा कि मैं नेट्स में काफी अभ्यास करता हूं। मेरी 7 रन की पारी काफी अहम साबित हुई। गेंदबाजी को लेकर उन्होंने कहा कि मैंने ज्यादा ट्राई करने की कोशिश नहीं की।

गुलवीर सिंह ने पोर्टलैंड में किया बड़ा काम, 5,000 मीटर की रेस में तोड़ दिया रिकॉर्ड

पोर्टलैंड। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता एथलीट गुलवीर सिंह ने यहां पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल हाई परफॉरमेंस प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर रहकर पुरुषों की 5,000 मीटर स्पर्धा का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब गुलवीर के नाम 10000 मीटर और 5000 मीटर गए 13:19.30 सेकेंड के समय के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर रहा। अब गुलवीर के नाम 10,000 मीटर और 5,000 मीटर दोनों रेस का राष्टीय रिकॉर्ड है। उन्होंने पिछले वर्ष हांगझु एशियाड में 28.17.21 सेकेंड के समय से 10,000 मीटर स्पर्धा का कांस्य

दोनों रेस का राष्टीय रिकॉर्ड है। उन्होंने पिछले वर्ष हांगझु एशियाड में 28.17.21 सेकेंड के समय से 10000 मीटर स्पर्धा का कांस्य पदक जीता था। भारत के कार्तिक कुमार (1341.07) 17वें स्थान पर रहे जबकि साबले (1320.37) रेस पूरी नहीं कर सके। पुरुषों की 5000 मीटर हाई परफोरमेंस स्पर्धा में अभिषेक पाल 1341.57 सेकेंड के समय से तीसरे स्थान पर रहे। पाल बंटा मेमोरियल रेस में हिस्सा लेते हुए पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 26 वर्षीय एथलीट गुलवीर ने 13:18.92 सेकेंड का समय निकाला, जो अविनाश साबले के पिछले वर्ष लास एंजिल्स में बनाए पदक जीता था। भारत के कार्तिक कुमार (13:41.07) 17वें स्थान पर रहे जबकि साबले (13:20.37) रेस पूरी नहीं कर सके। पुरुषों की 5,000 मीटर हाई परफोरमेंस स्पर्धा में अभिषेक पाल 13:41.57 सेकेंड के समय से तीसरे स्थान पर रहे। अगले महीने से पेरिस ओलंपिक खेलों की शुरुआत हो रही है। इन खेलों पर सभी का ध्यान है। भारत ने पिछले ओलंपिक खेलों में अपना बेस्ट दिया था और सात पदक अपने नाम किए थे। इस बार भी उम्मीद है कि टीम इंडिया पेरिस में बेहतर प्रदर्शन कर सात से ज्यादा पदक अपने नाम करेगी।

पाकिस्तान के बल्लेबाजों के लिए चुनौती बनेंगे कनाडा के गेंदबाज! न्यूयॉर्क की पिच पर रहेंगी नजरें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय टीम से मात खाने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम अब टी20 वर्ल्ड कप 2024 के अपने था। इस मैच में कनाडा ने बड़ा उलटफेर करते हुए आयरलैंड को हरा दिया था। पाकिस्तान के खिलाफ भी इस टीम का मैच क्रिकेट स्टेडियम इस मैच की मेजबानी करेगा। इस स्टेडियम की पिच गेंदबाजों की मददगार है। रन बनाना इस पिच पर मुश्किल साबित

अगले मैच में कनाडा के खिलाफ उतरेगी। पाकिस्तान ने अभी तक इस वर्ल्ड कप में जीत का खाता नहीं खोला है। कनाडा के खिलाफ बाबर आजम की सेना अपना खाता खोलना चाहेगी। पाकिस्तान को पहले मैच में अमेरिका के हाथों हार मिली थी और फिर भारत ने रविवार को उनके मुंह से जीत छीन ली थी। कनाडा की बात करें तो उसे भी अपनी दूसरी जीत की दरकार है। इस टीम को पहले मैच में अमेरिका ने हराया था। दूसरे मैच में इस टीम का सामना आयरलैंड से हुआ आसान नहीं रहने वाला है। कनाडा की बात करें तो उसे भी अपनी दूसरी जीत की दरकार है। इस टीम को पहले मैच में अमेरिका ने हराया था। दूसरे मैच में इस टीम का सामना आयरलैंड से हुआ था। इस मैच में कनाडा ने बड़ा उलटफेर करते हुए आयरलैंड को हरा दिया था। पाकिस्तान के खिलाफ भी इस टीम का मैच आसान नहीं रहने वाला है। इन दोनों टीमों का मैच उसी मैदान पर होना है जिस पर भारत-पाकिस्तान का मैच हुआ था। न्यूयॉर्क का नसाउ इंटरनेशनल हुआ है। जो भी टीम टॉस जीतेगी पहले गेंदबाजी करने का फैसला करना चाहेगी। इस मैच में भी पाकिस्तान के बल्लेबाजों की परीक्षा होगी क्योंकि आयरलैंड के खिलाफ कनाडा ने अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया था। भारत से हार के बाद पाकिस्तान के लिए ये मैच काफी अहम हो गया है। अगर गलती से भी पाकिस्तान की टीम कनाडा से हार जाती है तो फिर इस टीम को अगले दौर में जाने का सपना देखना बंद कर देना चाहिए। ये टीम फिर अगले दौर में जाने के बारे में सोच भी नहीं सकती।

भारत में मोटो रेसिंग के विकास के लिए पोडियम पर पहुंचना लक्ष्य

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत में मोटो रेसिंग की संस्कृति अब तक केवल दक्षिण तक सीमित है। इसे बढ़ावा देने के लिए सुविधाएं भी बहुत सीमित हैं। अंतरराष?ट्रीय प्रतियोगिताओं में इस वर्ष भले भारतीय राइडर्स के लिए पोडियम स?थान प्राप?त करना उनका लक्ष?य है। इस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले केविन ने बताया, 'आज देश में मोटो रेसिंग के लिए बहुत सुविधाएं नहीं हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर के हमारे प्रतिद्वंद्वियों की तरह हम

ने स्थान अब तक प्राप्त नहीं किया, परंतु अपनी मजबूत दावेदारी से होंडा रेसिंग इंडिया टीम के 19 वर्षीय राइडर केविन क्विंटल ने आशा बढ़ा दी है। भारत में मोटो रेसिंग की संस्कृति अब तक केवल दक्षिण तक सीमित है। अंततराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में इस वर्ष भले भारतीय राइडर्स ने स्थान अब तक प्राप्त नहीं किया परंतु अपनी मजबूत दावेदारी से होंडा रेसिंग इंडिया टीम के 19 वर्षीय राइडर केविन क्विंटल ने आशा बढ़ा दी है। केविन ने बताया कि भारत में मोटो रेसिंग के विकास अभ्यास भी नहीं कर पाते हैं। मैं जानता हूं कि यह आसान नहीं होगा, परंतु मेरा लक्ष्य भारत के लिए पोडियम स्थान प्राप्त करना है ताकि देश में इस अद्भुत खेल की संस्कृति विकसित हो सके।' उन्होंने आगे कहा, 'यह अब तक नहीं है क्योंकि अब तक किसी ने इस खेल में कोई विशेष उपलब्धि प्राप्त नहीं की है। मैं इसकी शुरुआत करना चाहता हूं।' होंडा रेसिंग इंडिया के अन्य राइडर केरल के मल्लापुरम निवासी 22 वर्षीय मोहसिन परंबन ने कहा, 'मैंने पहली बार होंडा की प्रतियोगिता में ही बाइक चलाई थी।

दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश को लो स्कोरिंग मैच में हराकर किया शर्मसार टीम इंडिया का तोड़ डाला बड़ा रिकॉर्ड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका ने सोमवार को टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 20वें मैच में बांग्लादेश को 4 रन से पटखनी देकर इतिहास रच दिया। दक्षिण अफ्रीका टी20 वर्ल्ड

के 20वें मैच में बांग्लादेश को 4 रन से मात देकर इतिहास रच दिया। न्यूयॉर्क में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करके 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 113 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 109 रन बना सकी। एडेन मार्करम के नेतृत्व वाली दक्षिण अफ्रीका ने इस जीत के साथ ही भारतीय टीम का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम ने सोमवार को टी20 वर्ल्ड कप 2024 कप इतिहास में सबसे कम स्कोर की रक्षा करने वाली टीम बन गई है। प्रोटियाज टीम ने टी20 वल्ड कप में सबसे कम स्कोर को डिफेंड करने के मामले में भारत का रिकॉर्ड तोड़ा। दक्षिण अफ्रीका टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे कम स्कोर की रक्षा करने वाली टीम बन गई है। दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश को 114 रन बनाने से रोका। प्रोटियाज टीम ने भारत का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने एक दिन पहले न्यूयॉर्क में ही पाकिस्तान के खिलाफ 120 रन की रक्षा की थी। भारतीय टीम ने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को छह रन से मात दी थी। वैसे, टी20 वल्ड कप इतिहास में सबसे कम स्कोर की रक्षा करने में श्रीलंकाई टीम भी शामिल है। 2014 में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रीलंका ने भी 120 रन के स्कोर को डिफेंड किया था। मगर अब सबसे कम स्कोर को डिफेंड करने का रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के नाम हो गया है। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच को जीतकर एक और खास रिकॉर्ड अपने नाम किया। दक्षिण अफ्रीका टी20 वल्ड कप इतिहास की ऐसी इकलौती टीम है, जिसने 1 रन, 2 रन, 3 रन और चार रन के अंतर से मैच जीते हैं। प्रोटियाज टीम के अलावा टी20 वर्ल्ड कप में ऐसा कारनामा कोई और टीम नहीं कर सकी है। दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश को लो स्कोरिंग मैच में मात देकर अपना दबदबा बरकरार रखा है। दक्षिण अफ्रीका की टीम टी20 वर्ल्ड कप में अब तक कभी भी बांग्लादेश से हारी नहीं है। प्रोटियाज का टी20 वल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ रिकॉर्ड 9-0 से एकतरफा है।

साइकिल से संसद जाने वाले सांसद को मोदी कैबिनेट में मिला खेल मंत्रालय, इन चुनौतियों का करना है सामना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं। रविवार को 71 से पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ने और जीतने वाले डॉ मनसुख मांडविया को मोदी 3.0 सरकार में

सांसदों ने मंत्री पद की शपथ ली थी और सोमवार को सभी के विभागों का बंटवारा कर दिया गया है। मोदी सराकर के पिछले दो कार्यकाल में अहम जिम्मेदारियां निभाने वाले अनुराग ठाकुर को इस बार मंत्री नहीं बनाया गया है। वह पिछली सरकार में वह केंद्रीय खेल मंत्री थे लेकिन इस बार वह नहीं हैं तो मोदी ने गुजरात से आने वाले शख्स को ये जिम्मेदारी सौंपी है। पोरबंदर सीट केंद्रीय खेल मंत्री बनाया गया है। वह अनुराग ठाकुर के काम को आगे बढ़ाएंगे। पिछली सरकार में मनसुख के पास हेल्थ मिनिस्ट्री थी। इसके अलावा वह 2021 से केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स मंत्रालय भी संभाल रहे थे। नए खेल मंत्री के सामने कई चुनौतियां हैं। पोरबंदर सीट से पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ने और जीतने वाले डॉ मनसुख मांडविया को मोदी 3.0 सरकार में केंद्रीय खेल मंत्री बनाया गया है। वह अनुराग ठाकुर के काम को आगे बढ़ाएंगे। पिछली सरकार में मनसुख के पास हेल्थ मिनिस्ट्री थी। इसके अलावा वह 2021 से केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स मंत्रालय भी संभाल रहे थे। मनसुख को ग्रीन एमपी भी कहा जाता है। मनसुख अभी तक राज्य सभा सासंद के तौर पर सरकार में रहते थे। उनकी पहचान उस मंत्री के दौर पर की जाती है जो साइकिल से संसद आते हैं। गुजरात के पलिताना में जन्में मनसुख को खेल मंत्रालय तब मिला है जब भारत को एक महीने बाद पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेना है। पिछले ओलंपिक खेलों में भारत का प्रदर्शन अच्छा रहा था। इसके अलावा मनसुख के सामने देश के स्पोर्ट्स पावरहाउस बनाने की कड़ी चुनौती है। मनसुख ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से की थी। साल 2002 में वह विधायक बनकर विधानसभा पहुंचे। वह पालितान से ही चुनाव लड़े थे। गुजरात में वह बीजेपी के राज्य सचिव थे।

राशि फल

इस सप्ताह की शुरुआत प्रसन्नता के साथ होगी। लेकिन बातचीत में संवत रहें। शिक्षा से जुड़े काम पर ध्यान देने की आवश्यकता है। धैर्य रखना होगा। भागदौड़ बनी रहेगी।

इस सप्ताह आत्म संवत रहने की आवश्यकता है। मन परेशान रहेगा। गुस्सा पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का साथ मिलेगा। लाभ के

मन में आशा-निराशा बनी रहेगी। नकारात्मक विचारों से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। नौकरी में कार्यभार में बढ़ोतरी

सप्ताह के शुरुआत से वाणी में मधुरता रहेगी, लेकिन धैर्यशीलता बनाए रखने की कोशिश करें। शिक्षा से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखना

सप्ताह के पहले दिन से मन में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना है। शासन सत्ता का योग बन रहा है। भवन सुख मिलेगा। शिक्षा से जुड़े काम में

इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा होगी। परिवार की जिम्मेदारी बढ़ेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। मन परेशान हो सकता है। स्वभाव में

नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों

इस सप्ताह परिवार के साथ धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। माता का सहयोग भी प्राप्त होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। ज्यादा उत्साही होने से बचें।

नौकरी में तरक्की होने की संभावना है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बना रहेगा। मानसिक शांति रहेगी। गुस्सा पर काबू रखें।

परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। नकारात्मक विचारों से बचाव

मन खुश रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

हमने तुम्हारी मां-बहन को हरभजन सिंह ने पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर को जमकर लताड़ा,अर्शदीप सिंह बने वजह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज कामरान अकमल भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर दिए गए बयान पर बुरी तरह से फंस गए हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2024 में खेले गए मैच के दौरान अकमल पाकिस्तान के चैनल ँभ् न्यूज पर बतौर एक्सपर्ट हिस्सा ले रहे थे। तभी उन्होंने अर्शदीप सिंह को देखकर सिख समुदाय पर एक टिप्पणी कर दी। अब भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने अकमल को घेर लिया है। भारतीय टीम के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने पाकिस?तान के पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल को जमकर लताड़ लगाई है। कामरान अकमल ने अर्शदीप सिंह पर सिख होने को लेकर बयान दिया जिससे विवाद खड़ा हो गया। अर्शदीप सिंह ने रविवार को टी20 वर्?ड कप 2024 के मुकाबले में पाकिस?तान के खिलाफ आखिरी ओवर किया था जिसमें उन्‍होंने 18 रन का बचाव करके भारत को जीत दिलाई थी। पाकिस्तान को इस मैच के आखिरी ओवर में जीत के लिए 18 रनों की जरूरत थी। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने ये ओवर अर्शदीप सिंह को दिया। इसी को लेकर अकमल ने टीवी पर ऐसा कमेंट कर दिया कि उनको अब जमकर लताड़ लगाई जा रही है। अर्शदीप जब गेंदबाजी पर आए तो अकमल ने कहा, ठकुछ भी हो सकता है। 12 बज गए हैं। किसी सिख को नहीं देना चाहिए था 12 बजे ओवर।ठ पैनल पर मौजूद एक और शख्स को अकमल की इस बात पर जोर से हंसी आई। लेकिन सोशल मीडिया पर अकमल को जमकर कोसा जा रहा है और सिख समुदाय का मजाक बनाने के लिए लताड़ लगाई जा रही है। अकमल के इस कमेंट पर भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह भी गुस्सा हो गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर अकमल को कोसते हुए लिखा, ठलख दी लानत तेरे कामरान अकमल। तुम अपने गंदे मुंह से कुछ कहो उससे पहले तुम्हें सिखों का इतिहास पता होना चाहिए। जब आक्रमणकारियों ने तुम्हारी मां-बहन को पकड़ लिया था तब, हम सिखों ने उन्हें बचाया था, वो भी 12 बजे। आपको शर्म करनी चाहिए।

सम्पादकीय

चीन को उसी की भाषा में जवाब देगा भारत, बदले जाएंगे तिब्बत के 30 स्थानों के नाम

केंद्र में नई सरकार का गठन हो गया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार ने अपना कार्यभार संभाल लिया है। इसलिए चीन के स्वायत्त क्षेत्र तिब्बत के स्थानों का नाम बदलने का इस्तेमाल अरुणाचल प्रदेश पर चीनी दावे को खत्म करने के लिए बदले वेश तौर पर किया जाएगा।भारत ने अरुणाचल प्रदेश में स्थानों के नाम बदलने के चीनी कदम का जवाब देने के लिए 'जैसे को तैसा' अभियान चलाया है, यानी भारत भी तिब्बत के 30 स्थानों के नाम बदलेगा। चीन द्वारा भारतीय क्षेत्रों के नाम बदलने को लेकर नई दिल्ली को संदेह है कि अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा जताने के लिए चीन ने इस राज्य में एलएसी के पास के 30 स्थानों का नाम बदल दिया। हांगकांग स्थित एक दैनिक के अनुसार, प्रशासनिक प्रभागों की स्थापना और नामकरण के लिए जिम्मेदार चीनी असैन्य मामलों के मंत्रालय ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में 'मानकीकृत' भौगोलिक नामों की चौथी सूची जारी की है, जिसे बीजिंग जंगनान कहता है। यह चौथी बार है, जब चीन ने अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का एकतरफा नामकरण किया है। इससे पहले उसने ऐसा वर्ष 2017, 2021 और 2023 में किया था।

बीजिंग ने पूर्वोत्तर भारत के सबसे बड़े राज्य अरुणाचल प्रदेश पर अपनी मजबूत दावेदारी दिखाने के लिए ऐसा किया है। भारतीय सेना का सूचना युद्ध प्रभाग इस अभियान का नेतृत्व कर रहा है, जिसे कोलकाता स्थित ब्रिटिशकालीन एशियाटिक सोसाइटी जैसे प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थानों का समर्थन प्राप्त है। सेना ने अपने लोगो के साथ प्रसारित विस्तृत ट्वीट में अरुणाचल प्रदेश के सात स्थानों के नाम बदलने को चुनौती दी है और चीन द्वारा जिन 30 स्थानों के नाम बदले गए, उनके विरोध का प्रयास कर रही है। अब उन्होंने तिब्बत के 30 स्थानों की एक सूची को भी अंतिम रूप दे दिया है, तथा ऐतिहासिक अभिलेखों से भारतीय भाषाओं में उनके प्राचीन नामों को पुनः प्राप्त किया है। इन पंक्तियों के लेखक के पास यह सूची उपलब्ध है, जो मीडिया के जरिये सार्वजनिक की जाएगी। यह भारत के अरुणाचल प्रदेश राज्य और विवादित सीमा के अन्य हिस्सों पर चीनी दावों के खिलाफ एक मजबूत जवाबी आख्यान प्रस्तुत करने के वैश्विक अभियान का हिस्सा है। अब चूंकि केंद्र में नई सरकार का गठन हो गया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार ने अपना कार्यभार संभाल लिया है। इसलिए चीन के स्वायत्त क्षेत्र तिब्बत के स्थानों का नाम बदलने का इस्तेमाल अरुणाचल प्रदेश पर चीनी दावे को खत्म करने के लिए बदले के तौर पर किया जाएगा। सैन्य अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि नए नाम व्यापक ऐतिहासिक शोध के आधार पर रखे जाएंगे। पूर्व खुफिया ब्यूरो के अधिकारी बेनु घोष, जिन्होंने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर वर्षों काम किया है और जिन्हें पर्वतारोहण में भी दिलचस्पी है, कहते हैं, 'जब भी ऐसा होगा, यह भारत द्वारा तिब्बत के प्रश्न को फिर से उठाने की तरह होगा। जब से बीजिंग ने तिब्बत पर जबरन कब्जा किया है, तब से भारत ने इसे चीनी हिस्सा माना है, लेकिन अब मोदी सरकार चीनी मानचित्रण और नामकरण संबंधी आक्रामकता को कम करने के लिए अपना रुख बदलने को तैयार है।' भारतीय सेना ने हाल के हफ्तों में इन विवादित सीमावर्ती क्षेत्रों में मीडिया के कई दौरे आयोजित करवाए हैं तथा मीडिया को उन स्थानीय लोगों से बात करने का मौका दिया है, जो चीनी दावों का कड़ा विरोध करते हुए कहते हैं कि वे हमेशा से भारत का हिस्सा थे। नाम का खुलासा नहीं करने की शर्त पर इस अभियान से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि भारत का 'अंतिम लक्ष्य क्षेत्रीय और वैश्विक मीडिया के माध्यम से विवादित सीमा पर भारत के जवाबी आख्यान को आगे बढ़ाना है, जो ठोस ऐतिहासिक शोध और स्थानीय निवासियों के जनमत पर आधारित है। गौरतलब है कि इसी वर्ष कुछ समय पूर्व चीन द्वारा नाम बदले गए स्थानों की सूची में 11 आवासीय क्षेत्र, 12 पर्वतीय, चार नदियां, एक झील, एक पहाड़ी दर्रा और एक भूखंड है। इन नामों में चीनी, तिब्बती और पिनयिन अक्षर हैं, जो मंदारिन चीनी का रोमन वर्णमाला संस्करण है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने मंत्रालय के बयान को उद्धृत किया है, जो कहता है कि 'भौगोलिक नामों के प्रबंधन पर राज्य परिषद (चीनी मंत्रिमंडल) के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार, हमने संबंधित विभागों के साथ मिलकर चीन के जांगनान में कुछ भौगोलिक नामों को मानकीकृत किया है।' बीजिंग ने वर्ष 2017 में अरुणाचल प्रदेश के छह स्थानों के कथित मानकीकृत नामों की पहली सूची जारी की थी, फिर वर्ष 2021 में 15 स्थानों की दूसरी सूची जारी की और उसके बाद वर्ष 2023 में 11 स्थानों के नामों की एक और सूची जारी की। भारत ने अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के चीनी कदम को बार-बार खारिज करते हुए कहा है कि अरुणाचल भारत का अभिन्न अंग है और 'मनगढ़ंत' नाम रखने से यह वास्तविकता नहीं बदल जाती। वर्ष 2023 में तत्कालीन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था, 'हमने ऐसी रिपोर्टें देखी हैं। यह पहली बार नहीं है, जब चीन ने ऐसा प्रयास किया हो। हम इसे सिरे से खारिज करते हैं।' उन्होंने आगे कहा, अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और रहेगा। मनगढ़ंत नाम रखने की कोशिशें इस सच्चाई को नहीं बदल पाएंगी।'अरुणाचल प्रदेश पर अपने दावों को पुष्ट करने के लिए चीनी बयानों की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अरुणाचल प्रदेश यात्रा पर भारत के समक्ष कूटनीतिक विरोध दर्ज कराने से हुई, जहां प्रधानमंत्री मोदी ने अरुणाचल प्रदेश में 13,000 फुट की ऊंचाई पर निर्मित सेला सुरंग को राष्ट्र को समर्पित किया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 23 मार्च को अरुणाचल प्रदेश पर चीन के बार-बार के दावे को 'हास्यास्पद' बताते हुए कहा कि यह सीमावर्ती राज्य 'भारत का स्वाभाविक हिस्सा' है। उन्होंने सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय दक्षिण एशियाई अध्ययन संस्थान में व्याख्यान देने के बाद अरुणाचल मुद्दे पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, 'यह कोई नया मुद्दा नहीं है। चीन के ये दावे शुरू से ही हास्यास्पद रहे है और आज भी हैं। इसलिए मुझे लगता है कि इस मामले में हम हमेशा से बहुत स्पष्ट और तार्किक रहे हैं। यह सीमा पर चल रही चर्चाओं का हिस्सा बनेगा।' कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत ने चीन को उसी की भाषा में जवाब देने का मन बना लिया है और जैसे को तैसा की रणनीति अपनाते हुए नाम बदलने के अभियान में शामिल हो गया है।

खेती को आर्थिक के साथ सियासी लाभ का धंधा बनाने की चुनौती

पीएम मोदी ने शिवराज सिंह चौहान को तीन लाख करोड़ रू. से भी ज्यादा बजट वाले कृषि मंत्रालय का जिम्मा सौंपा। साथ में ग्रामीण विकास विभाग भी दिया। लेकिन शिवराज के लिए कृषि का मामला केवल बजट के हिसाब से ही बड़ा नहीं है बल्कि यह आज की तारीख में सबसे ज्यादा चुनौती भरा विभाग है, जिसमें किसानों की समस्याएं सुलझाने के साथ-साथ पार्टी के राजनीतिक हित भी जुड़े हुए हैं। मोदी 3.0 मंत्रिमंडल को लेकर पूरे देश और खासकर मप्र की निगाहें इस बात पर लगी थीं कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को केन्द्रीय मंत्रिमंडल में लिया जाता है या नहीं और लिया जाता है तो मंत्रिमंडल में उनकी हैसियत क्या होगी, उन्हें कौन सा विभाग मिलेगा। ज्यादातर प्रेक्षकों का अंदाज था कि शिवराज को वो कृषि मंत्रालय मिलना चाहिए, जिसका शिवराज को काफी हद तक विशेषज्ञ और फार्मर माना जाता है। वही हुआ भी, पीएम मोदी ने शिवराज सिंह चौहान को तीन लाख करोड़ रू. से भी ज्यादा बजट वाले कृषि मंत्रालय का जिम्मा सौंपा। साथ में ग्रामीण विकास विभाग भी दिया। लेकिन शिवराज के लिए कृषि का मामला केवल बजट के हिसाब से ही बड़ा नहीं है बल्कि यह आज की तारीख में सबसे ज्यादा चुनौती भरा विभाग है, जिसमें किसानों की समस्याएं सुलझाने के साथ-साथ पार्टी के राजनीतिक हित भी जुड़े हुए हैं। यानी खेती सिर्फ आर्थिक लाभ का ही धंधा न होकर भाजपा के लिए राजनीतिक लाभ का धंधा कैसे बने, यह सवाल है।विशेषकर देश के तीन राज्यों पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तथा आंशिक रूप से राजस्थान भी शामिल है, में पूर्व में वापस हुए तीन कृषि कानूनो और किसानो के संदर्भ में मोदी सरकार की अब तक की नीतियों को लेकर गहरा असंतोष रहा है। इसी का नतीजा था कि लोकसभा चुनाव में इन राज्यों में किसानों ने भाजपा को तगड़ा झटका दे दिया। क्योंकि किसानो के मामले में सरकार की 'एकला चलो' की नीति फेल हो चुकी है। किसानों की मांगों और दिक्कतों को समझकर तदनुसार कोई सर्वमान्य हल ढूंढना और वो भी क्रेडिट अपने खाते में लिखवाए बगैर करना, शिवराजजी के समक्ष बड़ी चुनौती है। किसान आंदोलन को डील करने के मामले में उनके पूर्ववर्ती कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर को अपेक्षित सफलता नहीं मिली थी। सरकार और किसानों के बीच अपेक्षित संवाद की कमी भी इसका एक कारण थी। तीनो कृषि कानून, जिन्हें मोदीजी को वापस लेना पड़ा, लाने से पहले उन पर व्यापक बहस कराना और जनमत जानना जरूरी नही समझा गया था। क्या इस रवैए में अब कोई बदलाव दिखेगा या नहीं, यह देखने की बात है। यह सवाल इसलिए भी है, क्योंकि शिवराज के पास पब्लिक कनेक्ट की कला है। वो अगर चाहें और उन्हें वैसा करने की आजादी मिले तो वो किसानों की नाराजी का वो कोई बहुमान्य हल ढूंढ सकते हैं। शिवराज और उनके पूर्ववर्ती केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर में एक बुनियादी अंतर यह है कि तोमर मूलतः शहरी पृष्ठभूमि से आते हैं, जबकि शिवराज पूरी तरह किसानी और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं। लिहाजा किसानों की दिक्कतों और अपेक्षाओं को बेहतर ढंग से समझते हैं। मप्र का मुख्यमंत्री बनने के बाद ही उन्होंने घोषणा कर दी थी कि उनकी पहली प्राथमिकता खेती को लाभ का धंधा बनाने की है। इस दिशा में उन्होंने उन्होंने अपने शुरू के तीनो कार्यकालों में काफी काम किया। प्रदेश की कृषि जीडीपी 2005-06 से 2022-23 तक औसतन प्रति 7ज्ञ् बढ़ी, जो दशक के लिए राष्ट्रीय औसत 3.8ज्ञ् से अधिक रही। शिवराज के मुख्यमंत्री रहते एमपी को कृषि उत्पादन तथा योजना संचालन के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए सात बार कृषि कर्मण अवॉर्ड मिले। यही नहीं मप्र सिंचाई क्षमता भी 6 गुना बढ़कर 43 लाख हेक्टेयर हो गई। किसानों की फसल के समर्थन मूल्य पर खरीदी पर बोनस की योजना शुरू हुई। इस योजना का फायदा प्रदेश के 80ज्ञ् से ज्यादा किसानों को मिला। किसानों का आपदा के समय बेहतर मुआवजा मिला। उन्हीं के नेतृत्व में प्रदेश को सात बार कृषि कर्मण अवॉर्ड मिले हैं। इसी के साथ प्रदेश नई समस्या से भी जूझ रहा है, वो है कृषि उत्पादन में भारी बढ़ोतरी के अनुपात में अनाज भंडारण की अपर्याप्त व्यवस्था और स्थानीय उपज के लिए समुचित खाद्य प्रसंस्करण उद्दयोगों की कमी। शिवराज इन समस्याओंसे भली भांति वाकिफ हैं। उम्मीद है कि वो मप्र की इन दिक्कतों को भी हल करेंगे। यही कारण था कि दिल्ली में लंबे चले किसान आंदोलन में मप्र के किसानों की भागीदारी नहीं के बराबर थी। अलबत्ता शिवराज के कार्यकाल पर काले टीके के रूप में मंदसौर में एमएसपी को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों पर पुलिस की गोली से चार किसानों की मौत जरूर दर्ज है। मोदी सरकार 2020 में अपने दूसरे कार्यकाल में तीन कृषि कानून लेकर आई थी। संसद में इस बिल के पास होते ही उत्तरी राज्यों के किसान सड़कों पर उतर आए। इस असंतोष को हवा देने में कुछ राजनीतिक दलों और स्वयंसेवी संगठनों की भी बड़ी भूमिका थी। बावजूद इसके यह भी सच था कि किसानों की आंशकाओं का कोई ठोस और संतोषजनक जवाब सरकार इस बिल को लाते समय नहीं दे पाई थी। मोदी सरकार द्वारा जो तीन कृषि कानून लाए गए थे, उनमें पहला था- आवश्यक वस्तु (संशोधन) कानूनः इस कानून में अनाज, दलहन, तिलहन, खाद्य तेल, प्याज आलू को आवश्यक वस्तुओं की सूची से हटाने का प्रावधान किया गया था ताकि बाजार में प्रतिस्पर्द्धा बढ़े। किसानों को उपज का बेहतर मूल्य मिले। दूसरा था- कृषि उत्पादन व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) कानूनः इसके तहत किसान कृषि मंडी के बाहर भी अपनी उपज बेच सकते थे। इसके लिए किसानों व खरीदारों को कोई शुल्क नहीं देना था। तीसरा था- कृषक (सशक्तिकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार कानूनः इस कानून का मुख्य उद्देश्य किसानों को उनकी फसल की निश्चित कीमत दिलवाना था। इसके तहत कोई किसान फसल उगाने से पहले ही किसी व्यापारी से समझौता कर सकता था। किसान को फसल की डिलिवरी के समय ही दो तिहाई राशि का भुगतान किया जाता और बाकी पैसा 30 दिन में देना होता। अगर एक पक्ष समझौते को तोड़ता तो उस पर जुर्माना लगाया जाता। लेकिन इन कानूनों के प्रावधानों से तीनो राज्यों के किसान खुश नहीं थे। वो चाहते थे कि सरकार उनकी सारी उपज एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर ही खरीदे। यह एमएसपी भी स्वामीनाथन (जिन्हें सरकार ने इस साल भारत रत्न दिया) आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक हो तथा सरकार एमएसपी की केवल घोषणा ही नहीं करे बल्कि इसकी कानूनी गारंटी भी दे। वर्तमान में भारत सरकार कुल 23 फसलों पर एमएसपी देती है। किसान आंदोलन के दौरान बताया जाता है कि सरकार चुनिंदा फसलों पर एमएसपी की गारंटी देने को तैयार भी हो गई थी, लेकिन आंदोलनकारी किसान इस पर सहमत नहीं थे। दूसरी आशंका कारपोरेट फार्मिंग को मंजूरी मिलने पर किसान हितों की रक्षा की कमजोर व्यवस्था थी। डर था कि फसल खराब होने पर किसान अपनी जमीन भी कारपोरेट के हाथों गंवा सकता है। इन्हीं के चलते दिल्ली की सीमा पर लगभग साल भर तक किसान आंदोलन चला, जो अंततः पीएम मोदी द्वारा इन कानूनों की वापसी के बाद कमजोर पड़ा। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि कृषि सुधार कानून लाने के पीछे मकसद सही था, लेकिन तरीका गलत था। कृषि कानून वापसी के दांव का फायदा बीजेपी को 2022 में यूपी के विधानसभा चुनाव में मिला। लेकिन किसानों की मांगों का कोई हल नहीं हुआ। सरकार सभी फसलों परएमएसपी की कानूनी गारंटी देने को तैयार नहीं है। उसका मानना है कि ऐसा किया गया तो सरकार पर सभी फसले खरीदने पर असहनीय आर्थिक बोझ बढ़ेगा। दूसरे, कच्चा माल महंगा होने पर सभी खाद्य वस्तुएं भी महंगी होंगी, जिससे आम उपभोक्ता खासकर मध्यम व निमन्न वर्ग की नाराजी का सामना सरकार को करना पड़ेगा। न सिर्फ मध्यम व निमन्न वर्ग खुद किसान को भी परेशानी हो सकती है, क्योंकि वह कतिपय फसलों का उत्पादक भले हो, लेकिन बाकी चीजों का तो उपभोक्ता ही है। खेती के मामले में अब एक और नई बड़ी चुनौती बार-बार बदलते मौसम की भी है। मौसम के बदले मिजाज से अच्छी भली फसल पर ऐन वक्त पर पानी फिर जाता है और किसान के सामने माथा पकड़ने के अलावा कुछ नहीं रह जाता। खराब या दागी फसल ठीक से बिक भी नहीं पातीं। अब नए देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह के सामने बड़ी चुनौती नाराज किसानों के सामने कोई सर्वमान्य हल पेश करने की होगी। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश ऐसे इलाके हैं, जहां फसलों की एमएसपी पर सर्वाधिक खरीदी होती है। वहां के किसानो को विश्वास में कैसे लिया जाएगा, यह देखने की बात है। छोटी जोतों के बाद भी खेती लाभ का धंधा कैसे बने, खरीदी गई उपज का समुचित भंडारण और प्रोसेसिंग कैसे हो, खेती राम भरोसे न रहे, उसका आधुनिकीकरण कैसे हो, कृषि क्षेत्र में सुधारों की बात हर हलके से उठ रही है, लेकिन ये सुधार किस रूप में हों, कैसे हो, इस पर मतभेद हैं। प्रामाणिक बीज, पर्याप्त सिंचाई, उत्पादित फसल की सही मार्केटिंग व भंडारण की सुविधा तथा कारपोरेट फार्मिंग में किसानों के अधिकार कैसे सुरक्षित रहें, यह भी बड़ा मुद्दा है। खेती में घाटे से निराश और कर्ज में डूबे किसानों की आत्महत्या, जीडीपी में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़ाना व खेती में रोजगार बढ़ाने की संभावना तलाश करना भी बड़ा मुद्दा है। शिवराज इन सबमें तालमेल कैसे बिठा पाएंगे, यह देखना होगा। अगर कामयाब रहे तो उनकी राजनीतिक उपलब्धियों का एक नया युग शुरू हो सकता है। किसान असंतोष का समाप्त होना भाजपा की राजनीतिक मजबूती का परिचायक भी होगा। वरना अभी तो नाराज किसान उन पाटिर्यों को वोट दे रहे हैं, जो एमएसपी की कानूनी गारंटी के वादे कर रही हैं।

पिता के बाद अब बेटे की बारी; अखिलेश के सामने बढ़त को बरकरार रखने की चुनौती

लोकसभा चुनाव की?सफलता अखिलेश के लिए अवसर लेकर आई है, तो चुनौतियां भी हैं, क्योंकि देश में फिर से गठबंधन का दौर लौट आया है।देश के सबसे अधिक आबादी वाले और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश से लोकसभा चुनाव में?अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी (सपा) ने अविश्वसनीय छलांग लगाई है। पिछली बार पांच सीटें जीतने वाली पार्टी इस बार पांच गुना से ज्यादा 37 तक पहुंच गई है। यह इस पार्टी का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। सपा ने 2004 में अनुभवी नेता मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में 35 सीटें जीती थीं। अपने पिता के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ना अखिलेश के लिए व्यक्तिगत?बड़ी सफलता है, जिनकी अक्सर राजनीतिक सूझबूझ और संगठनात्मक कौशल की कमी के लिए आलोचना की जाती रही है। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने प्रदेश में लगभग खत्म हो चुकी कांग्रेस के साथ गठबंधन कर अपना मतदान प्रतिशत 33.59 तक पहुंचा दिया और 2019 के चुनाव में 62 सीटें हासिल करने वाली भारतीय जनता पार्टी (33 सीट) को दूसरे स्थान पर खिसका दिया। हालांकि अतीत में 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा के साथ गठबंधन करने का समाजवादी पार्टी का अनुभव अच्छा नहीं रहा था, फिर भी अखिलेश ने राहुल गांधी और 'इंडिया' गठबंधन के साथ जाकर चुनाव लड़ने का फैसला किया। अखिलेश शुरुआत में हिचकिचा रहे थे, लेकिन जमीन स्तर पर चर्चा करने के बाद उन्होंने कांग्रेस के साथ गठबंधन करने का मन बनाया। अखिलेश का पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) मुद्दा, विशेषकर पूर्वी उत्तर प्रदेश में काम कर गया। जहां गैर-यादव पिछड़ी जातियां, दलित और मुस्लिम मतदाताओं का महत्वपूर्ण गठजोड़ बनता है। यादव मतदाताओं की निष्ठा के प्रति आश्वस्त और यह जानते हुए कि मुसलमानों के पास समाजवादी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन को वोट देने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं होगा, उन्होंने गैर-यादव पिछड़ी और दलित जातियों के लिए अपना रास्ता ही बदल लिया। यद्यपि यादवों और मुस्लिमों की पार्टी का ठप्पा लगा होने के बावजूद समाजवादी पार्टी ने सिर्फ चार मुस्लिम और पांच यादव प्रत्याशियों को टिकट दिया, जबकि अन्य पिछड़ी जातियों, जैसे कि निषाद और कुमिर्यों के साथ-साथ दलितों को 27 टिकट दिए। महत्वपूर्ण तो यह है कि दलितों को न केवल आरक्षित सीटों पर, बल्कि फैजाबाद जैसी सामान्य श्रेणी की सीट पर टिकट दिया, जहां अयोध्या में राममंदिर है, वहां समाजवादी पार्टी के अनुभवी दलित नेता अवधेश प्रसाद ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पश्चिमी उत्तर प्रदेश में करीबी सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल के नेता जयंत चौधरी के भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होने से अखिलेश को तगड़ा झटका लगा था, लेकिन वह इससे घबराए नहीं, इसके लिए उनकी तारीफ की जानी चाहिए। इस चुनाव में अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी का उत्थान हुआ है, तो यह मायावती और बहुजन समाज पार्टी का शायद अंतिम राजनीतिक पतन है, जिन्होंने डेढ़ दशक पहले भारत के राजनीतिक परिदृश्य को बदलने का वादा किया था। बहनजी की पार्टी का वोट प्रतिशत एकल अंक (9.39 फीसदी) में आ गया है, जो 2014 के लोकसभा चुनाव में उसके प्रदर्शन से भी ज्यादा निराशाजनक है। 2014 में भी बसपा कोई सीट नहीं जीत सकी थी, लेकिन उसे 20 फीसदी वोट मिले थे।बहनजी के लिए सबसे अधिक अपमानजनक तो नगीना लोकसभा क्षेत्र से उनके प्रतिद्वंद्वी दलित नेता और भीम आर्मी के नेता चंद्रशेखर आजाद की जीत रही। चंद्रशेखर ने आश्चर्यजनक रूप से डेढ़ लाख से ज्यादा मतों के अंतर से जीत दर्ज की थी। हालांकि, अब यह देखना दिलचस्प होगा कि उत्तर प्रदेश में मायावती और बसपा द्वारा रिक्त किए गए राजनीतिक स्थान पर चंद्रशेखर आजाद कब्जा कर पाते है या नहीं। निश्चित रूप से राज्य की राजनीति में आजाद का भविष्य है, जबकि मायावती अब बीता हुआ कल हैं। जहां तक सपा?की बात है, तो वह भाजपा और कांग्रेस के बाद तीसरी बड़ी पार्टी बन गई है। यह सफलता अखिलेश के लिए अवसर लेकर आई है, तो चुनौतियां भी साथ में हैं, क्योंकि देश में फिर से गठबंधन के राजनीतिक युग की वापसी हुई है। उनके पिता राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन की राजनीति से अधिकतम लाभ उठाने में माहिर थे। अब बेटे की बारी है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

नये ज्ञान और जुनून के साथ 'जीतू भैया' ने किया बवाल, दमदार है 'कोटा फैक्ट्री 3' का ट्रेलर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। देश में जेईई और नीट सबसे मुश्किल तैयारियों में से एक है। लाखों बच्चे कोटा (राजस्थान में स्थित) जाकर जेईई और नीट की तैयारियां करते हैं। घ्छ्ळ में जाने के लिए बच्चे दिन-रात पढ़ाई करते हैं जो कुछ पास होते हैं और कुछ फेल। 'कोटा फैक्ट्री'आईआईटी जाने की तैयारी कर रहे छात्रों पर आधारित वेब सीरीज है। हिट सीरीज कोटा फैक्ट्री का तीसरा सीजन 9 दिन बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देने वाला है। रिलीज डेट की अनाउंसमेंट के बाद अब जीतेंद्र कुमार स्टारर कोटा फैक्ट्री का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। जीतू भैया जोश के साथ छात्रों को घ्छ्ळ भेजने की तैयारी में दिखे लेकिन नये पहलू के साथ। देखें ट्रेलर। साल 2019 में आया 'कोटा फैक्ट्री' का पहला सीजन जबरदस्त हिट हुआ था। दर्शकों ने खुद को सीरीज से रिलेट किया था। फिर दूसरे सीजन ने भी आग लगा दी थी। अब तीसरे सीजन को लेकर क्रेज बना हुआ है। कुछ दिन पहले 'कोटा फैक्ट्री 3' की रिलीज डेट का एलान किया गया। अब ट्रेलर भी आउट हो गया है। 'कोटा फैक्ट्री' के तीसरे सीजन में जीतू भैया (जीतेंद्र कुमार) जेईई की सिलेक्शन को ही नहीं, बल्कि तैयारी को भी सेलिब्रेट करेंगे। 'तैयारी ही जीत है...' से शुरू होने वाला ट्रेलर लोगों के मन में जोश भरने के लिए काफी है। जीतू कोटा के बेस्ट टीचर हैं, जो स्टूडेंट्स के बीच 'जीतू भैया' से मशहूर हैं। जब उनसे पूछा जाता है, ठजीतू भैया क्यों? जीतू सर क्यों नहीं?ठ तब जीतेंद्र कोटा में आने वाले छात्रों के मेंटल स्टेट के बारे में बताते हैं। वह कहते हैं कि वह जेईई अभ्यर्थी ही नहीं हैं, बल्कि वे 15-16 साल के बच्चे हैं। उनमें दुनियाभर की इनसिक्योरिटी है। अगर टीचर डांट दे तो बुरा मान जाते हैं। दोस्त ने कुछ कहा तो वह उनको बुरा लग जाता है। ये बच्चे हर चीज को सीरियसली लेते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी जिम्मेदारी लेना बहुत बड़ी बात है जो 'जीतू सर' नहीं संभाल पाएंगे। टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन को लेकर स्टूडेंट्स के बीच गुस्सा, अ्झ्झ् (डेली प्रैक्टिस प्रॉब्लम) न करने की समस्या, टेस्ट सीरीज की टेंशन, रैंक का प्रेशर..., बच्चों को तराशने वाला कोटा अब फैक्ट्री बन गई है। हर फैक्ट्री में रेस लगी है। हर किसी को रैंक से मतलब है, लेकिन यह जीतू भैया की फिलॉसफी नहीं है। उन्हें छात्रों से मतलब है, ना कि रैंक से। आखिरी में एक लाइन है, ठसपना नहीं, लक्ष्य बोलो। सपना देखा जाता है और लक्ष्य अचीव किया जाता है।ठ सीरीज 20 जून को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

नीरू बाजवा ने दिलजीत दोसांझ से मांगे 10 लाख रुपये और प्रॉपर्टी, सिंगर ने कुछ ऐसा दिया रिएक्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। संजय लीला भंसाली की फिल्म हीरामंडी वर्ल्डवाइड सेंसेशन बन चुकी है। पूरी दुनिया में फैंस इसके डायलॉग्स, एक्टर्स और उनके किरदारों की चर्चा है।

इस सीरीज में सोनाक्षी सिन्हा,मनीषा कोइराला,अदिति राव हैदरी,संजीदा शेख और ऋचा चड्ढा जैसे सितारे नजर आए। वहीं फिल्म से शर्मिन सहगल का डायलॉग ठएक बार देख लीजियेठ काफी ज्यादा वायरल हुआ। दिलजीत दोसांझ उन एक्टर्स में से हैं जिनकी एक्टिंग के साथ सिंगिंग भी काफी ज्यादा मशहूर है। दिलजीत बहुत जल्द नीरू बाजवा के साथ फिल्म जट्ट और जूलियट में नजर आने वाले हैं। दिलजीत और नीरू का फिल्म 28 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में दोनों एक्टर्स फिल्म का प्रमोशन करते नजर आए। कई सोशल मीडिया यूजर्स और सेलेब्रिटीज को सीरीज का ये सीन अपनी स्टाइल में दोहराते और रिक्रिएट करते देखा गया। इस लिस्ट में अब एक और नाम शामिल हो गया है वो है पंजाबी स्टार्स दिलजीत दोसांझ और नीरू बाजवा का। दिलजीत और नीरू जल्द ही अपकमिंग पंजाबी फिल्म जट्ट और जूलियट 3 में नजर आने वाले हैं। दोनों इन दिनों अपनी फिल्म के प्रमोशन को लेकर काफी बिजी है। हाल ही में दिलजीत और नीरू ने हीरामंडी के फेमस डायलॉग पर एक रील बनाकर शेयर की है जिसने फैंस को उनका दीवाना बना दिया है। रील में दिलजीत सोफे पर बैठे हुए है जबकि नीरू बाजवा जमीन पर नीचे प्लेट में फल लिए दिखाई दे रही हैं। डायलॉग में थोड़ा सा ट्विस्ट एड करते हुए नीरू कहती हैं,'एक बार देख लीजिए, 5-10 लाख दे दीजिए, दीवाना तो हम खुद बन जाएंगे,आप बस अपनी प्रॉपर्टी मेरे नाम कर दीजिए।'इसके साथ ही बैकग्राउंड में ये म्यूजिक चलता हुआ सुना जा सकता है। नीरू की ये डिमांड सुनकर दिलजीत चौंक जाते हैं। वो प्लेट से सेब उठा रहे होते हैं लेकिन नीरू की प्रॉपर्टी की डिमांड सुनकर वो सेब वापस प्लेट में रख देते हैं। वीडियो में दोनों के फनी एक्सप्रेशन्स देखकर आप भी हंसने को मजबूर हो जाएंगे। बता दें कि दिलजीत और नीरू इससे पहले जट्ट एंड जूलियट 1 और 2 में नजर आ चुके हैं। फैंस को दोनों की खूबसूरत जोड़ी को स्क्रीन पर काफी पसंद है। अब फैंस बेसब्री से जट्ट एंड जूलियट 3 का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म को जगदीप सिद्धू ने डायरेक्ट किया है जोकि रोमांस, कॉमेडी और ड्रामा से भरपूर है। फिल्म 28 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कंगना रनौत के थप्पड़ कांड पर चिराग पासवान का बयान वायरल, कहा- 'उनकी मां बैठी थीं, उनको बुरा लगा होगा'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हाजीपुर से सांसद और लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान तीसरी मोदी कैबिनेट में शामिल हो गए हैं। मोदी 3.0 में उन्हें फूड प्रोसेसिंग मंत्रालय मिला है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान मोदी कैबिनेट में शामिल होने के साथ ही कंगना रनौत को लेकर भी चर्चा में हैं। एक्ट्रेस और मंडी से सांसद कंगना रनौत की जीत के बाद उनके फैंस और फैमिली में खुशी का माहौल है। लेकिन इसी के साथ उनका थप्पड़ कांड भी चर्चा में आ गया है। चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर कंगना को सीआईएसएफ कॉन्सटेबल ने थप्पड़ मारा जिसकी चर्चा अब तक सोशल मीडिया पर जारी है। इस पर अब चिराग पासवान का स्टेटमेंट सामने आया है। डीएनए से बातचीत में चिराग पासवान ने राजनीतिक मुद्दों पर ढेर सारी बातें कीं। इसी के साथ उन्होंने कंगना रनौत के थप्पड़ कांड पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि वह ण्घ्ए्ड कॉन्सटेबल कुलविंदर कौर का दर्द समझ सकते हैं। चिराग पासवान ने कहा, ''ये गलत है, आप अपनी बात कहने के लिए गाली या हाथापाई का इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं। हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति की आजादी है, अपनी बात रख सकता है। मैं महिला कॉन्सटेबल की भावना को समझ सकता हूं, उनकी मां बैठी थीं, उनको बुरा लगा होगा, लेकिन वो अपनी बात को मर्यादित शब्दों में कह सकती थीं। मुझे लगता है कि तब उनकी बात की गूंज ज्यादा होती। अगर वो कड़े शब्दों में अपना ऐतराज दर्ज करातीं और कहतीं कि आपने ऐसा क्यों कहा था, मेरी मां थीं वहां पर मुझे दुख पहुंचा। आपने हाथ उठाकर अपनी भावना को छोटा कर दिया।'' चिराग यहीं नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा, ''हर किसी को सोच और अभिव्यक्ति की आजादी है। कंगना ने अपनी बातों को रखा और वो (सीआईएसएफ कर्मी) भी अपनी बातों को ऐसे ही रख सकती थीं। कोई व्यक्ति, किसी भी महिला या पुरुष पर हाथ नहीं उठा सकता। मैं ये नहीं कह रहा कि सिर्फ महिला पर हाथ नहीं उठना चाहिए। पुरुष पर भी हाथ उठाना गलत है। आप विरोध दर्ज कराइए लेकिन मर्यादित शब्दों में कराइए।

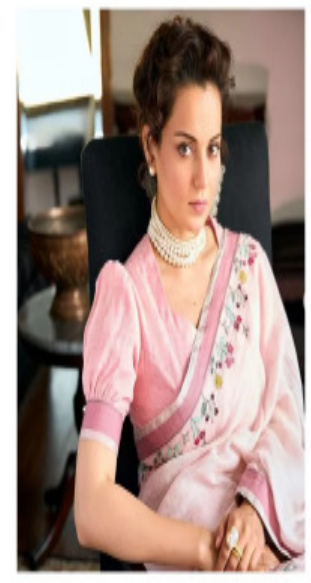

जम्मू-कश्मीर में श्रद्धालुओं पर हुए हमले पर फूटा प्रियंका चोपड़ा का गुस्सा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। रविवार को रियासी में वैष्णो देवी मंदिर के बाद शिवखोड़ी धाम से लौट रही श्रद्धालुओं से भरी बस पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया। बीच सड़क पर आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद बस खाई में गिर गई। के रियासी में वैष्णो देवी से लौट रही श्रद्धालुओं से भरी बस पर रविवार को आतंकी हमला हुआ जिसमें कई लोगों ने अपनी जान गंवा दी। इस हमले ने पूरे देश को अंदर से हिला दिया है। एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने श्रद्धालुओं पर हुए हमले पर गुस्सा जाहिर किया है। जानिए अभिनेत्री ने क्या कुछ कहा। इस हमले में करीब 9 लोगों की जान चली गई है और 33 से ज्यादा लोग घायल हैं। इस हमले ने हर किसी की रूह कंपा दी। आम जनता ही नहीं, बल्कि सेलिब्रिटीज भी इस हमले पर अपना दुख जता रहे हैं। हाल ही में, ग्लोबल आइकॉन प्रियंका चोपड़ा ने भी रिएक्शन दिया है। रियासी में हुए आतंकी हमले ने प्रियंका चोपड़ा को हिलाकर रख दिया है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर ये नागरिकों और बच्चों के साथ ही क्यों हो रहा है? एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, ठझकझोर देने वाला। मासूम श्रद्धालुओं पर यह घृणित हमला बहुत डरावना है। नागरिक और बच्चों को क्यों? दुनिया भर में हम जो नफरत देख रहे हैं उसे समझना बहुत कठिन है।प्रियंका चोपड़ा से पहले बिपाशा बसु, वरुण धवन, कंगना रनौत, अनुपम खेर, रितेश देशमुख समेत कई सेलिब्रिटीज ने जम्मू-कश्मीर हमले को लेकर अपना रिएक्शन दिया है। बॉलीवुड से दूर प्रियंका चोपड़ा इन दिनों हॉलीवुड में एक्टिव हैं। वह अपनी आगामी फिल्मों को सिनेमाघरों में उतारने के लिए तैयार हैं। उन्होंने 'हेड्स ऑफ स्टेट' की शूटिंग पूरी कर ली है और अब वह अपनी अगली फिल्म 'द ब्लफ' की शूटिंग कर रही हैं। अभिनेत्री की बॉलीवुड में वापसी को लेकर भी चर्चा है। कहा जा रहा है कि वह फरहान अख्तर की फिल्म 'जी ले जरा' में दिखाई देंगी। आखिरी बार प्रियंका चोपड़ा को रूसो ब्रदर्स की वेब सीरीज 'सिटाडेल' में देखा गया था। वह अपने पति निक जोनस के साथ फिल्म 'लव अगैन' में भी नजर आई थीं।

बिहार के बुल्लू कुमार की पंचायत 3 से चमकी किस्मत, इंडस्ट्री में इतने धक्के खाने के बाद बने हैं स्टार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ओटीटी की मोस्ट फेमस वेब सीरीज में 'पंचायत 3' को लेकर लोगों में बातें खत्म होने का नाम नहीं ले रहीं। इस शो का हर एक कैरेक्टर जबरदस्त फेमस हुआ है। 'पंचायत' के तीसरे सीजन की खास बात ये है कि छोटे से छोटे किरदार तक ने लोगों के दिलों को छुआ है। इस सीरीज में माधव का रोल करने वाले बुल्लू कुमार भी लोगों की नजरों में आ रहे हैं। उन्होंने दैनिक जागरण से खास बातचीत की। वेब सीरीज में इन दिनों पंचायत के तीसरे सीजन ने धूम मचा दी है। इस शो में दिखने वाले लगभग हर किरदार फेमस हुए हैं। पंचायत 3 में सचिव प्रधान और विधायक के रोल के अलावा एक किरदार और लोगों की नजरों में आ गया है। यह है माधव का रोल जिसे बुल्लू कुमार ने प्ले किया है । बुल्लू कुमार के लिए अब दरवाजे खुलने लगे हैं। बिना किसी फिल्मी पृष्ठभूमि के मुंबई आना और अभिनय में पांव जमाना आसान नहीं होता है। हालिया प्रदर्शित वेब सीरीज 'पंचायत 3' में माधव की भूमिका निभाने वाले अभिनेता बुल्लू कुमार पिछले डेढ़ दशक से ज्यादा समय से इस इंडस्ट्री में संघर्षरत हैं। इतने संघर्ष के बाद अब पंचायत से उन्हें न सिर्फ पहचान मिली, बल्कि आगे अच्छा काम पाने के दूसरे दरवाजे भी खुल गए हैं। बिहार के नवादा से आने वाले बुल्लू दैनिक जागरण से बातचीत में बताते हैं, ''मैं साल 2005 इसी क्षेत्र में हूं। लंबे संघर्ष के बाद अब जाकर उसका परिणाम देखने को मिल रहा है। पंचायत शो करने से पहले तो पता भी नहीं था कि इस इंडस्ट्री का कौन सा दरवाजा कैसे खटखटाया जाए?'' उन्होंने आगे कहा, ''ग्रहण वेब सीरीज करने के बाद थोड़ा काम मिला, पंचायत सीजन 2 के बाद थोड़ी पहचान मिली। पंचायत सीजन 3 के बाद दरवाजे इतने ज्यादा खुल गए हैं कि कुछ प्रोडक्शन हाउस में आ-जा सकते हैं। तीसरे सीजन में मेरे किरदार को अच्छा स्क्रीनटाइम मिला है, उम्मीद करता हूं कि चौथे सीजन में और ज्यादा स्क्रीनटाइम मिले।''''पंचायत 3' के पहले बुल्लू ने वृंदावन, जाइए आप कहां जाएंगे फिल्म और सरपंच साहब वेब सीरीज में भी काम किया है।

गुल्लक 4 का ऑडिशन देकर भूल गई थीं हेली शाह पांचवें सीजन को लेकर अभिनेत्री ने दे दिया ये हिंट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कुछ प्रोजेक्ट कलाकारों के लिए अच्छे निवेश की तरह भी होते हैं, जिनसे वे अच्छे भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए जुड़ते हैं। सोनी लिव पर हालिया प्रदर्शित वेब सीरीज 'गुल्लक सीजन 4' में डाक्टर प्रीति सिंह की भूमिका में नजर आईं अभिनेत्री हेली शाह (पत्त्ब् र्एप्) भी ऐसी ही संभावनाओं को देखते हुए शो से जुड़ीं। रिलीज हो गया है। इस बार नई कहानी के साथ मिश्रा परिवार ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। मिडिल क्लास परिवार की नोक-झोंक में रोमांस का तड़का भी लगा। टीवी एक्ट्रेस हेली शाह आनंद मिश्रा का प्यार बनकर सीरीज में आईं और छा गईं। दैनिक जागरण के साथ बातचीत में हेली ने सीरीज को लेकर बात की है। गुल्लक बहुत ही प्यारा शो है, इसलिए जब मुझे इसका ऑडिशन देने का प्रस्ताव मिला तो मैं बहुत खुश हुई। भला कौन ऐसे शो से नहीं जुड़ना चाहता है। मैंने उसका आडिशन दिया और फिर भूल गई थी, क्योंकि मुझे तो लगा था कि नहीं होगा। ऑडिशन के हफ्ते के बाद मुझे प्रोडक्शन हाउस से फोन आया कि मैं इस शो के लिए चुन ली गई हूं।ठक्या पांचवें सीजन में अपनी भूमिका विस्तार की संभावनाओं को देखते हुए आपने शो करने का निणर्य लिया? इस पर हेली कहती हैं, ठहां, बिल्कुल। हालांकि मुझे शो के बारे में सिर्फ इतना बताया गया है कि शो में इस बार किसी नई लड़की का प्रवेश हो रहा है। जो इस सीजन के अंत में लोगों के बीच एक उत्सुकता छोड़कर जाएगी। फिर बाद में जाकर उस किरदार को आगे बढ़ाया जाएगा। तब मैंने सोचा कि इस सीजन में चाहे जितना भी काम हो, लेकिन मैं इस मौके को जाने नहीं दे सकती हूं।हेली शाह टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं। 'गुलाल' सीरियल से डेब्यू करने के बाद उन्होंने 'स्वारागिनी', 'इश्क में मरजावां', 'सूफियाना प्यार मेरा' और 'खेलती है जिंदगी आंख मिचोली' जैसे कई नामी टीवी शोज में मुख्य भूमिका निभाई। वह रियलिटी शो 'झलक दिखला जा 9' में भी नजर आ चुकी हैं। 'गुल्लक 4' में उनकी भूमिका को काफी पसंद किया गया था।

चंदू चैम्पियन के चक्कर मेंकार्तिक आर्यन को लग गई थी ऐसी लत, नहीं कर पा रहे थे 'भूल भुलैया 3' की शूटिंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कार्तिक आर्यन ने मेहनत और काबिलियत के दम पर बी-टाउन में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। वह हर किरदार में पूरी तरह से ढल जाते हैं। कुछ ऐसा ही 'चंदू चैम्पियन' के साथ भी है। ट्रेलर के बाद लोगों ने कार्तिक को चंदू के किरदार में खूब पसंद किया और हो भी क्यों नहीं। उन्होंने इसके लिए कड़ी मेहनत जो की थी। रिलीज होने के लिए तैयार है। अभिनेता कार्तिक आर्यन फिल्म के प्रमोशन में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेता ने बताया है कि शूटिंग के दौरान वो कौन सी आदत है जो उन्हें लग गई थी और इसकी वजह से भूल भुलैया 3 में उनके काम पर असर पड़ा था। मगर 'चंदू चैम्पियन' की शूटिंग के दौरान कार्तिक आर्यन ने एक ऐसी आदत पकड़ ली थी जो उनकी आगामी फिल्म 'भूल भुलैया 3'को भी प्रभावित करने लगी थी। हाल ही में, अभिनेता ने इस बारे में चुप्पी तोड़ी है। दरअसल, कबीर खान निर्देशित 'चंदू चैम्पियन' के लिए कार्तिक आर्यन को फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन में खूब पसीना बहाना पड़ा। तैयारी में व्यस्त कार्तिक एंटी-सोशल बन गये और उन्हें इससे खुशी मिलने लगी। वह पहले भी प्राइवेट इंसान थे, लेकिन फिल्म की शूटिंग के दौरान वह पूरी तरह एंटी-सोशल बन गये थे। फिल्म कम्पैनियन के साथ बातचीत में अभिनेता ने कहा- कार्तिक आर्यन ने बताया कि 'चंदू चैम्पियन' की शूटिंग के दौरान उनका माइंडसेट इतना बदल गया था कि 'भूल भुलैया 3' की शूट ढंग से नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने कहा- कार्तिक आर्यन स्टारर 'चंदू चैम्पियन' 14 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में कार्तिक, भारत के पहले गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की भूमिका में नजर आएंगी। दिवाली में उनकी फिल्म 'भूल भुलैया 3' भी रिलीज होने वाली है। वह इसकी शूटिंग कर रहे हैं।

DURGAWATI INTERNATIONAL
School & College Meja, Prayagraj
(AFFILIATED TO NEW DELHI I.C.S.E. (AFFILIATION No. UP 481)

Good News Good News

THE STUDENTS SCORING ABOVE 95% IN THE ENTRANCE EXAM ARE AWARDED WITH THE CONCESSION IN THE ENTIRE TUITION FEES OF THE WHOLE YEAR 2024-25 HURRY UP!!

HOSTEL FACILITY

* AC hostel facilities are available for. the boys from class 3rd onwards.
* Quality food
* Personal care
* 24/7 power backup
* Special tuition classes for hostelers
* Free health checkup per month.
* Infirmary faciliti is also available
* Well equipped laboratories and digital Library

पहले 50 छात्रों के प्रवेश शुल्क पर 100% की छूट

Admissions OPEN

PG to IX, XI
(AFFILIATED TO NEW DELHI ICSE (AFFILIATION No. UP 481)

SCHOOL FACILITIES

* Affordable fee & High-tech infrastructure.
* Spacious and colorful classrooms.
* Trained teachers from Kerala & Prayagraj.
* Free personality development.
* English spoken classes for each student.
* RO water and CCTV facilities.
* Pick and drop facilities with full safety.
* Trained PE Teacher along with
* Spacious playground

Manager
Dr. (Smt.) Swatantra Mishra
(Psychologist)

Email : www.disaldd@gmail.com Durgawati International School
Call For Any Enquiry 7505561664
Contact No.: 7081152877, 7652002511, 9415017879

पापा आतंकी हमला हुआ है गोलियां चल रही हैं, मैं जंगल में छिपा हूं; फोन सुनते ही उड़े होश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

गोरखपुर। के खोराबार इलाके के भैरोपुर निवासी प्रेमचंद कननैजिया के मोबाइल फोन पर रविवार शाम पांच बजे जम्मू से उनके बेटे सौरभ उर्फ शनि का फोन आया। बेटे ने कहा-पापा! आतंकी हमला हो गया है, चारों तरफ गोलियां चल रही हैं, हमारी बस खाई में पलट गई है। मैं जंगल में छिपकर आपसे बात कर रहा हूं। यह सुनते ही प्रेमचंद के होश उड़ गए थे।दरअसल, जम्मू-कश्मीर के वैष्णो देवी से रियासी जा रही श्रद्धालुओं से भरी बस पर रविवार को आतंकवादियों ने हमला कर दिया था। इसमें 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, 41 घायल हो गए। इसमें भैरोपुर निवासी प्रेमचंद कननैजिया का परिवार और उनके पुर्दिलपुर के रिश्तेदार भी घायल हो गए। चार जून को दोनों परिवार के 14 लोग जम्मू माता वैष्णो देवी का दर्शन करने एक साथ निकले थे। प्रेमचंद कननैजिया ने बताया कि चार जून को उनकी पतनी गायत्री, सौरभ उर्फ शनि, बेटी आरोही और उनके ससुराल पक्ष के गोलघर काली मंदिर पुर्दिलपुर निवासी राजेश, उनकी पतने रिक्सोना, सोनी समेत पांच अन्य सदस्य वैष्णो देवी मंदिर दर्शन करने गए थे। पूजा-अर्चना के बाद शिवखोड़ी दर्शन करने पहुंचे। रविवार को शाम 4:30 बजे कटरा लौट रहे थे। पहाड़ी क्षेत्र में बस पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया। चालक को गोली लगने से बस अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। बस खाई में गिरने के कारण गायत्री देवी, राजेश, रिक्सोना और सोनी गंभीर रूप से घायल हो गईं। प्रेमचंद का बेटा शनि भी बस में बैठा था, लेकिन वह बाल-बाल बच गया। अन्य बच्चे हमले के समय गेस्ट में हाउस में थे, इस वजह से सुरक्षित बच गए। चारों घायलों का इलाज जम्मू में चल रहा है। सोमवार को घायल गायत्री के आवास कूड़ाघाट भैरोपुर व राजेश के पुर्दिलपुर आवास पर पहुंचकर ग्रामीण विधायक विपिन सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम सदर मृणाली अविनाश जोशी, क्षेत्राधिकारी कैंट अंशिका वर्मा, सदर तहसीलदार विकास कुमार सिंह, पार्षद पुर्दिलपुर मनु जायसवाल ने मुख्यमंत्री की तरफ से जारी की गई आर्थिक सहायता राशि परिवार को दी। वहीं, जम्मू में वैष्णो देवी दर्शन कर लौट रही श्रद्धालुओं से भरी बस पर हुए आतंकवादियों के हमले में संतकबीरनगर के दंपती भी अपने दो बेटों के साथ शिकार हुए। जम्मू में इनका इलाज चल रहा है। दंपती के अनुसार बस पर 15 मिनट फायरिंग से दहशत में रहे। इस दौरान उनकी सांसें भी अटकी रहीं। शुक्र रहा कि वे और उनके बच्चे बच गए। खलीलाबाद शहर की पुरानी तहसील के पास रहने वाले अजय गुप्ता (50) तीन जून को पतने प्रीति (48) के साथ बेटे आयुष (16) और पीयूष (14) के साथ वैष्णो देवी दर्शन के लिए गए थे। रविवार को वह जिस बस में सवार होकर जम्मू आ रहे थे, उस बस पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया। इसमें 9 लोगों की मौत हो गई। हमले में अजय गुप्ता पतने व बेटे संग घायल हो गए। घर पर मौजूद उनके बड़े भाई संजय गुप्ता ने बताया कि सुबह अजय का फोन आया। अजय का फोन गायब हो गया था, उन्होंने किसी दूसरे के मोबाइल से फोन किया था। अजय ने फोन पर बताया कि तीन आतंकवादियों ने बस पर लगातार फायरिंग की। इस दौरान बस खाई में गिरने लगी, लेकिन वह फंस गई। इससे वह लोग खाई में गिरने से बच गए। इसके बाद भी आतंकवादी बस पर फायरिंग कर रहे थे। करीब 15 मिनट तक फायरिंग हुई। आस-पास गांव के लोग पहुंच गए तो आतंकवादी वहां से भाग गए। संजय ने बताया कि दोनों बच्चों को हल्की चोटें आई हैं। छोटा बच्चा भीड़ में कहीं गायब हो गया था जो कुछ देर बाद मिला था। इन लोगों का इलाज जम्मू के नरायण अस्पताल में चल रहा है। अजय के घर भाजपा नगर अध्यक्ष सतविंदर पाल जज्जी के साथ अन्य लोग भी पहुंच गए। इसके बाद अपर पुलिस अधीक्षक शशिशेखर सिंह पहुंचे और परिवार से बातचीत की। उन्होंने हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस दौरान लोग पूरे दिन घर पर पहुंच कर घटना की जानकारी बड़े भाई से लेते रहे।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं आधुनिक समाचार पब्लिसिंग हाउस सी 41 यूपीएसआईडीसी नैनी प्रयागराज 211010 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।